epaper.dehatsandesh.com

3 रेल मंत्रालय ने तीन महिला क्रिकेटरों को अधिकारी पद पर ओएसडी स्पोर्ट्स बनाया

5 आंद्रे रसेल ने आईपीएल करियर को कहा अलविदा

8 गर्म मैदानी इलाकों में सर्दियों के मौसम में लगाएं ये सब्जियां

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-295 | जम्मू तवी, मंगलवार 02 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

आतंकवाद पुनर्जीवित करने की किसी भी कोशिश को कुचला जाएगा: एलजी सिन्हा

जम्मू, 1 दिसंबर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को दोबारा हवा देने की किसी भी कोशिश को लेकर कड़ा संदेश देते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि पत्थरबाजी, पाकिस्तान प्रायोजित हड़तालों और बेखौफ आतंकवाद का दौर समाप्त हो चुका है, और शांति को भंग करने की नई कोशिशों को पूरी ताकत से कुचल दिया जाएगा।

एलजी सिन्हा आज वडोदरा, गुजरात में सरदार@150 एकता पदयात्रा में शामिल हुए। सरदार पटेल के पैतृक गांव करमसद से शुरू हुई यह राष्ट्रीय पदयात्रा 11 दिनों में लगभग 190 किलोमीटर की दूरी तय कर 6 दिसंबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर संपन्न होगी।

कार्यक्रम को कश्मीर, हैदराबाद और सरदार विषय पर संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने अभूतपूर्व विकास देखा है, कानून-व्यवस्था की स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। आज जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी नहीं होती। पाकिस्तान के इशारे पर कोई हड़ताल नहीं होती। सभी आतंकी संगठनों के कमांडरों का सफाया किया जा चुका है। जो दोबारा सिर

उठाने की कोशिश करेगा, उसे कुचल दिया जाएगा। एलजी सिन्हा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत का उल्लेख करते हुए कई ऐतिहासिक प्रसंग भी साझा किए। उन्होंने याद किया कि यरवदा जेल में महात्मा गांधी ने एक बार सरदार पटेल से पूछा कि स्वतंत्रता के बाद वे कौन-सा पद लेना चाहेंगे। इस पर पटेल ने कहा था कि वह संन्यासी बनना चाहेंगे। लेकिन वही व्यक्ति 562 रियासतों के विलय के सूत्रधार बने और भारत का नक्शा बदल दिया, एलजी सिन्हा ने कहा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश को एक सूत्र में पिरोने की शक्ति और इच्छाशक्ति केवल सरदार पटेल में थी। अगर पटेल न होते तो आज भारत का नक्शा अलग होता। चाहे हैदराबाद हो या जम्मू-कश्मीर, पटेल ने नया इतिहास रचा, उन्होंने कहा।

एलजी सिन्हा ने बताया कि पटेल कभी भी कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र ले जाने के पक्ष में नहीं थे, यह निर्णय जवाहरलाल नेहरू और गोपालस्वामी आयंगार ने लिया था।अगर जम्मू-कश्मीर का विषय सरदार पटेल को सौंपा गया होता, तो आज भारत का नक्शा अलग होता, उन्होंने कहा।

उन्होंने बताया कि पटेल ने स्पष्ट कहा था कि जम्मू-कश्मीर का एक इंच भी पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा।सरदार पटेल ने

> "कहा– जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी, पाक प्रायोजित हड़तालें और आतंकवाद का दौर अब खत्म

तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध किया था। वे मसले को संयुक्त राष्ट्र ले जाने के खिलाफ थे। अपने एक जनसभा संबोधन में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलय की वकालत की थी, और उनका निर्णायक रुख इतिहास की दिशा बदल सकता था, एलजी सिन्हा ने कहा। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर सरदार पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वप्न को साकार किया है। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह देश की मुख्यधारा से जोड़कर सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि दी है, उन्होंने कहा। उन्होंने लोगों से एकता और शांति बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी ताकत को जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति की ओर धकेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संसद को चुनावी हार-जीत की निराशा, अहंकार का अखाड़ा न बनने दें : मोदी

नयी दिल्ली, 01 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि उन्हें चुनावी हार-जीत के परिणामों से बाहर निकलकर इसकी निराशा या अहंकार का अखाड़ा संसद को नहीं बनाना चाहिए और जनता की आकांक्षाओं तथा लोकतंत्र की मर्यादाओं के अनुरूप संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि संसद का महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र शांतिपूर्ण ढंग से चलेगा और सभी सदस्य देश की प्रगति के लिए तथा चुने हुये प्रतिनिधियों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर देने के लिए सदन को चलाने में अपना सहयोग करेंगे।

श्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र तेज गति से आगे बढ़ रहा है और इसे और आगे बढ़ने की ऊर्जा देने का काम शीतकालीन सत्र करेगा, उन्हें ऐसा

उन्हें विश्वास है। चुनावी हार जीत लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन संसदीय लोकतंत्र की मजबूती का दायित्व हम सबकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि निजी एजेंडे के लिए संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होनी चाहिए। नये सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और सदन के कार्यवाही बाधित कर उनके अवसर को छीना नहीं जाना चाहिए। इस नए सांसदों को अभिव्यक्ति का अवसर दीजिए अपनी निराशा और अपनी पराजय में सांसदों को बली मत बनने दिजिये।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत होता रहता है और ऐसा समय-समय पर कुछ न कुछ देखने को मिलता है। उन्होंने बिहार विधानसभा में हए भारी मतदान का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा के चुनाव में मतदान जिस रिकॉर्ड के साथ हुआ वह लोकतंत्र में नया विश्वास पैदा करता है। बड़ी बात यह है कि चुनाव में माता बहने ज्यादा हिस्सा ले रही हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इस सत्र में यह पता चलना है कि संसद और संसद सदस्य देश के लिए क्या सोचते हैं। वे देश के लिए क्या करने वाले हैं और क्या कर रहे हैं।

विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए और मजबूत मुद्दे उठाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाए।

उसे पराजय की निराशा से बाहर आकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करना है लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि एकाध दल तो निराशा से बाहर ही नहीं आ पा रहे हैं, उनके बयानों से यही लगता है। पराजय से निराश होकर संसद को उसका अखाड़ा नहीं बनाना है और नहीं विजय के अहंकार में डूब कर अपने दायित्व को भूलना है।

खबर संक्षेप

पुलवामा में नियमित नाका जांच के दौरान दो लोग गिरफ्तार, नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप जब्त

श्रीनगर, 1 दिसंबर। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में पुलिस ने सोमवार को राजपोरा के रहमू ब्रिज पर एक नियमित नाका जांच के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया और संदिग्ध नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप जब्त की।

अधिकारियों ने बताय कि पुलिस पोस्ट रहमू की एक पुलिस पार्टी नियमित जांच कर रही थी कि तभी चेकपॉइंट पर पंजीकरण नंबर जेके09डी-7662 वाली एक संदिग्ध टाटा मोबाइल गाड़ी को रोका गया। गाड़ी की तलाशी लेने पर पुलिस को अंदर छिपाकर रखा गया 1 किलोग्राम और 130 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ मिला। गाड़ी में सवार दो लोगों को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और उनकी पहचान मुनीर अहमद शेख पुत्र अब्दुल हमीद शेख और तौफीक अहमद शेख पुत्र मुहम्मद रफीक शेख दोनों पुलवामा जिले के हाजित्रा कर्ण इलाके के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बरामद किया गया प्रतिबंधित सामान जिले में और आगे ले जाया जाना था और इसकी ज़ब्ती से इलाके में गैर-कानूनी नशीले पदार्थों के व्यापार को बड़ा झटका लगा है। जांच के तहत पदार्थ को ले जाने के लिए इस्तेमाल की गई गाड़ी को भी मौके पर ही ज़ब्त कर लिया गया।इस संबंध में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 8, 21 और 29 के तहत पुलिस स्टेशन राजपोरा में एफआईआर नंबर 124/2025 दर्ज की गई है और गैर-कानूनी खेप के सत्रोत और संभावित पाने वालों सहित पूरी सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने कहा कि नेटवर्क में शामिल और लोगों की पहचान करने और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ज़ब्त किए गए पदार्थ का इस इलाके में चल रहे किसी बड़े ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन रैकेट से कोई लिंक है या नहीं। अधिकारियों ने दोहराया कि ड्रग से जुड़ी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी का कश्मीर घाटी में करीब 10 जगह पर छापा

श्रीनगर, 01 दिसंबर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को दिल्ली ब्लास्ट मामले के सिलसिले में कश्मीर घाटी में करीब 10 जगह छापा मारा है।

सूत्रों ने बताया कि आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने मौलवी इरफान अहमद वागे, डॉ. अदील, डॉ. मुज़म्मिल और आमिर राशिद के घरों समेत करीब 10 जगहों पर छापेमारी की। उन्होंने कहा कि शोपियां के नादिगाम गांव, कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा और पुलवामा के संबूरा गांवों में छापेमारी चल रही है।

संसद का शीतकालीन सत्र- लोकसभा दिनभर के लिए स्थगित; हंगामे के बीच मणिपुर जीएसटी विधेयक पारित

नई दिल्ली, 01 दिसंबर । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर बहस की मांग को लेकर विपक्षी दलों के लगातार हंगामे के बीच सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच, मणिपुर में जीएसटी कानून में संशोधन लागू करने संबंधी विधेयक संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। इस मुद्दे पर अध्यादेश के स्थान पर यह विधेयक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा दिन में पहले पेश किया गया था। राज्य में राष्ट्रपति शासन है, इसलिए संसद इस कानून को पारित करने के लिए अपनी शक्तियों का उपयोग कर रही है। दोपहर लगभग 2.20 बजे दिन भर के लिए स्थगित होने से पहले, सदन में सुबह और दोपहर में प्रश्नकाल के दौरान दो बार स्थगन हुआ। शीतकालीन सत्र के पहले दिन, जिसमें 15 बैठकें होंगी, लगातार व्यवधान देखा गया। कई विपक्षी सदस्य इस मुद्दे पर बहस की मांग करते हुए, "SIR" के नारे लगाते और विरोध करते हुए आसन के सामने आ गए। शून्यकाल के 12 मिनट के दौरान, सीतारमण ने 2025-2026 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के अलावा तीन विधेयक पेश किए। तंबाकू और तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने और पान मसाला के निर्माण पर एक नया उपकर लगाने संबंधी दो विधेयक भी पेश किए गए। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 पेश किए जाने के बाद विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

जम्मू-कश्मीर से नवनिर्वाचित तीन राज्यसभा सदस्यों को उपराष्ट्रपति ने दिलाई पद की शपथ

श्रीनगर, 01 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर से तीन नए चुने गए राज्यसभा सदस्यों को सोमवार को उपराष्ट्रपति और सदन के पदेन अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में पद की शपथ दिलाई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद अहमद किचलू जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनावों में चुने गए सांसदों में सबसे पहले शपथ लेने वाले थे। उन्होंने अपनी शपथ के लिए उर्दू भाषा चुनी। उनके बाद गुरविंदर सिंह ओबेरॉय उर्फ़ शम्मी ओबेरॉय ने शपथ ली। जम्मू और कश्मीर से एक और राज्यसभा सदस्य सत शर्मा को पहले ही उपराष्ट्रपति ने शपथ दिलाई थी। उनके बाद एनसी के चौधरी मुहम्मद रमज़ान ने शपथ ली। इसके साथ ही राज्यसभा में उनके औपचारिक प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है।

नेका सांसद किचलू व सांसद रमज़ान ने जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की

नई दिल्ली/जम्मू 01 दिसंबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद सज्जाद किचलू ने राज्यसभा में अपने पहले भाषण में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की निर्वाचित जम्मू-कश्मीर सरकार के पास कोई शक्ति नहीं, उपराज्यपाल ही सब कुछ नियंत्रित करते हैं, राज्यसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद चौधरी रमज़ान ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है, सभी महत्वपूर्ण निर्णय उपराज्यपाल के पास हैं। राज्यसभा में बोलते हुए, रमज़ान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 2024 के विधानसभा चुनावों में मतदान किया था, जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस, निर्दलीय और अन्य के समर्थन से नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार बनी।

इस साल एलओसी पर घुसपैठ की 4 घटनाएं हुईं, 8 आतंकवादी मारे गए : बीएसएफ आईजी

श्रीनगर, 01 दिसंबर । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को कहा कि कश्मीर फ्रंटियर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के प्रयासों में इस साल कमी आई है, अब तक केवल चार प्रयासों की सूचना मिली है। इनमें से दो प्रयास ऑपरेशन सिन्दूर से पहले और दो उसके बाद किए गए।

बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर हुमहामा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक यादव ने बताया कि इन घुसपैठों में 13 घुसपैठिए शामिल थे, जिनमें से आठ को सेना ने मार गिराया और पांच को पीछे धकेल दिया। उन्होंने कहा कि सेना के साथ समन्वय में नियंत्रण रेखा पर प्रभावी प्रभुत्व ने प्रयासों की संख्या को कम करने में योगदान दिया। उनके कार्यकाल के दौरान सेना और बीएसएफ के संयुक्त अभियानों में घुसपैठ की चार कोशिशों को नाकाम कर दिया गया।

यह पूछे जाने पर कि कितने ऑपरेशन पूरी तरह से बीएसएफ के खुफिया इनपुट पर आधारित थे, उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण संख्या में खुफिया इनपुट साझा करना जारी रखता है, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद विरोधी कार्रवाई होती है, जिसमें युद्ध जैसे भंडार को निष्क्रिय करना और पुनर्प्राप्त करना शामिल है।

मिनिमर्ग और ज़ोजिला दर्रे पर हुई हल्की बर्फबारी

श्रीनगर, 01 दिसंबर । सोमवार को मिनिमर्ग और ज़ोजिला दर्रे पर हल्की बर्फबारी हुई। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है, घाटी में कई जगहों पर तापमान जमावट बिंदू से नीचे बना हुआ है।कश्मीर मौसम कार्यालय द्वारा के इकट्ठा किए गए डेटा के अनुसार श्रीनगर शून्य से नीचे 1.9 डिग्री सेल्सियस, काज़ीगुंड शून्य से नीचे 1.0 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम शून्य से नीचे 0.4 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा शून्य से नीचे 3.2 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग 0.2 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग 0.3 डिग्री सेल्सियस, पंपोर शून्य से नीचे 3.2 डिग्री सेल्सियस, श्रीनगर एयरपोर्ट शून्य से नीचे 3.6 डिग्री सेल्सियस, अवंतीपोरा शून्य से नीचे 2.0 डिग्री सेल्सियस, बडगाम शून्य से नीचे 2.5 डिग्री सेल्सियस, अनंतनाग शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस, बारामूला शून्य से नीचे 4.7 डिग्री सेल्सियस, बांदीपोरा शून्य से नीचे 2.8 डिग्री सेल्सियस, गांदरबल शून्य से नीचे 1.2 डिग्री सेल्सियस, सोनमर्ग शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस और ज़ेथन राफियाबाद शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जम्मू संभाग के जम्मू में 9.6 डिग्री सेल्सियस, बनिहाल में 3.5 डिग्री सेल्सियस, बटोत में 4.6 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 9.4 डिग्री सेल्सियस, भद्रवाह में 3.7 डिग्री सेल्सियस, कठुआ में 7.4 डिग्री सेल्सियस, जम्मू एयरपोर्ट में 9.8 डिग्री सेल्सियस, उधमपुर में 5.8 डिग्री सेल्सियस, रामबन में 6.6 डिग्री सेल्सियस, सांबा में 4.5 डिग्री सेल्सियस, राजौरी में 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज ।

भारत में दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन का निर्माण और 20 प्रतिशत से ज्यादा जेनेरिक दवाइयों का निर्यात : एस जयशंकर

नई दिल्ली, ,01 दिसंबर। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बायोलॉजिकल वेपन्स कन्वेंशन (बीडब्लूसी) 50 कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान भारत की भूमिका के बारे में बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत दुनिया के 60 फीसदी वैक्सीन बनाता है और 20 फीसदी जेनेरिक दवाइयां सप्लाई करता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, मैं आज आपसे कुछ बातों पर गौर करने की गुजारिश करता हूं, एक, भारत दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन बनाता है। दो, भारत दुनिया की 20 फीसदी से ज्यादा जेनेरिक दवाइयां सप्लाई करता है, और अफ्रीका की 60 फीसदी जेनेरिक दवाइयां भारत से आती हैं। तीन, भारत में लगभग 11,000

बायोटेक स्टार्टअप हैं, जो 2014 में सिर्फ 50 थे। अब यह दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा बायोटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम है। चार, डिजिटल हेल्थ में बड़ी तरक्की के साथ हमारा हेल्थकेयर इन्वेस्टमेंट तेजी से बढ़ा है। पांच, हमारा रिसर्च नेटवर्क- आईसीएमआर, डीबीटी लैब्स, एडवांस्ड बीएसएल-3 और बीएसएल-4 सुविधाएं, वे कई तरह के जैविक खतरों का पता लगा सकते हैं और उनका जवाब दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत प्राइवेट सेक्टर ने इसे आगे बढ़ाया है। इसने प्रोडक्शन बढ़ाने, दबाव में इनोवेट करने और ग्लोबल आउटरीच मैनेज करने की क्षमता दिखाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने वैक्सीन मैत्री शुरू किया। वैक्सीन मैत्री का मतलब है वैक्सीन फ्रेंडशिप, जिसे हमने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से शुरू किया और 100 से ज्यादा कम विकसित और कमजोर देशों को लगभग 300 मिलियन वैक्सीन डोज और मेडिकल मदद दी। इनमें से कई मुफ्त थीं। इसका संदेश साफ था कि जब इतने बड़े स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ता है, तो एकजुटता जान बचाती है।

यासीन मलिक के साथ साजिश रचने के आरोप में CBI ने शफात शंगलू को किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 1 दिसंबर। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सोमवार को 35 साल पुराने डॉ. रुबैया सईद अपहरण मामले में वांछित शफात अहमद शंगलू को गिरफ्तार कर लिया। रुबैया, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री स्व. मुफ़्ती मोहम्मद सईद की बेटी और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती की बहन हैं। सीबीआई के बयान के अनुसार, शफात अहमद शंगलू 1989 में हुए अपहरण मामले में फरार चल रहा था। एजेंसी ने कहा कि शंगलू ने यासीन मलिक और अन्य के साथ मिलकर अपराध की साजिश रची थी। उस पर रणबीर दंड संहिता और आतंकवाद एवं विध्वंसक गतिविधि निरोधक अधिनियम (TADA) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज था। बयान में कहा गया, फरार आरोपी पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। एजेंसी ने बताया कि आरोपी को

रुबैया सईद अपहरण मामला

कानूनी प्रावधानों के तहत निर्धारित समय में टाडा कोर्ट जम्मू में पेश किया जाएगा। अपहरण का पूरा मामला 8 दिसंबर 1989 को रुबैया सईद, जो उस समय 23 वर्ष की थीं, श्रीनगर से अपने घर लौट रही थीं, तभी जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट से जुड़े आतंकियों ने उनका अपहरण कर लिया। यह घटना उस समय हुई जब उनके पिता मुफ़्ती मोहम्मद सईद ने कुछ ही दिनों पहले भारत के गृह मंत्री का पद संभाला था। छ्व्रुरू्र ने रुबैया की रिहाई के बदले सरकार से अपनी पांच गिरफ्तार साथियों को रिहा करने की मांग रखी। तनावपूर्ण स्थितियों, व्यापक विरोध और बढ़ते दबाव के बीच पांच दिनों तक वार्ता चलती रही। आखिरकार, 13 दिसंबर 1989 को सरकार ने आतंकियों की मांग मान ली और पांच कैदियों को रिहा कर दिया। इसके बदले रुबैया सईद को सुरक्षित छोड़ दिया गया।यह पहली बार था जब भारतीय सरकार ने किसी बंधक की रिहाई के बदले आतंकियों को छोड़ा। कई विशेषज्ञों ने बाद में इस घटना को कश्मीर में बढ़ती आतंकवाद की लहर का अहम मोड़ बताया। बाद में सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली और यासीन मलिक सहित कई अन्य को आरोपी बनाया। वर्षों से यह मामला अदालत में लंबित है और कई आरोपी लंबे समय तक फरार रहे। यह मामला अभी भी जम्मू की टाडा अदालत में चल रहा है। 2022 में रुबैया सईद ने अदालत में यासीन मलिक की पहचान अपने अपहर्ताओं में से एक के रूप में की थी।

एलजी कार्यालय में 'अटकी' फाइलों का खुलासा करें: नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा

जम्मू, 1 दिसंबर। उपराज्यपाल कार्यालय में फाइलों के रुके होने के नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के दावे को खारिज करते हुए नेता प्रतिपक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री से मांग की कि वे सार्वजनिक रूप से बताएं कि आखिर कौन-सी फाइलें एलजी कार्यालय में अटकी हुई हैं।

पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने कहा कि एनसी सरकार बेघर परिवारों, बेरोजगार युवाओं और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, 卐अगर ट्रांसफर और टेंडर से जुड़ी सभी फाइलें क्लियर हो रही हैं, तो सरकार जनता को बताए कि कौन-सी फाइलें क्लियर नहीं हो रहीं।

शर्मा ने कहा कि सरकार चेनाब क्षेत्र और अन्य इलाकों में भूस्खलन, बाढ़ और भूमि धंसान से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास में अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में नाकाम रही है।

एनसी सरकार पर ज्वलंत मुद्दों की अनदेखी का आरोप

उन्होंने बताया कि आपदा प्रभावित परिवारों के लिए बनने वाले करीब 5,000 मकान केंद्र शासित प्रदेश सरकार की ओर से नहीं, बल्कि तमिलनाडु की एक गैर-सरकारी संस्था द्वारा बनाए जा रहे हैं। 卐दक्षिण भारत के एक संत ने वहां घर बनाने की जिम्मेदारी उठाई है, जहां सरकार ऐसा नहीं कर पाई, शर्मा ने कहा।

चल रही अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा किसी भी तरह के अतिक्रमण—चाहे वह सरकारी जमीन हो या निजी—का मूल रूप से विरोध करती है।हालांकि, उन्होंने कहा कि वास्तविक भूमिहीन परिवारों की पहचान कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सहायता दी जानी चाहिए।

शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही भूमिहीन और बेघर लाभार्थियों को जमीन सहायता देने के मानक तय कर चुके हैं। उन्होंने मांग की कि दैनिक वेतनभोगियों, एसपीओ, कॉन्ट्रैक्चुअल, जरूरत-आधारित कर्मचारियों और अन्य निम्न-आय वर्ग के कर्मचारियों को सरकारी कल्याण योजनाओं के दायरे में लाया जाए।

शर्मा ने कहा कि सरकारी लाभ के लिए पात्रता तय करने वाली आय सीमा की पुनर्समीक्षा की आवश्यकता है।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यतः हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन – देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य – 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

ज्यूडिशियल एकेडमी ने लद्दाख के लीगल असिस्टेंट के लिए 2 हफ़्ते का ट्रेनिंग कोर्स शुरू किया

जम्मू, 01 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के चीफ़ जस्टिस (पैट्रन-इन-चीफ़, J&K ज्यूडिशियल एकेडमी), अरुण पल्ली की देखरेख में और छ्व×च ज्यूडिशियल एकेडमी की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन और सदस्यों के गाइडेंस में, J&K ज्यूडिशियल एकेडमी ने आज केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लीगल असिस्टेंट के लिए दो हफ़्ते का ट्रेनिंग कोर्स शुरू किया।

इस प्रोग्राम का मकसद लद्दाख के अ एडमिनिस्ट्रेशन के अलग-अलग डिपार्टमेंट में काम करने वाले अधिकारियों की कानूनी समझ, एडमिनिस्ट्रेटिव काबिलियत और प्रोफेशनल क्षमता को मज़बूत करना है। यह 01 दिसंबर से 12 दिसंबर 2025 तक एकेडमी, जम्मू में किया जा रहा है।

ट्रेनिंग के पहले दिन जाने-माने एकेडेमिक्स और लीगल एक्सपर्ट्स की लीडरशिप में एक इंटरैक्टिव और इनसाइटफुल एकेडमिक एंगेजमेंट देखने को मिला।

पहला सेशन प्रोफेसर एस के शर्मा, लॉ डिपार्टमेंट के पूर्व हेड और लॉ फैकल्टी के डीन और J&K के पूर्व स्टेट इन्फॉर्मेशन कमिश्नर ने किया। उन्होंने गवर्नेंस की कॉन्स्टिट्यूशनल स्कीम और अ एडमिनिस्ट्रेशन की भूमिका पर बात की। उन्होंने इंडियन कॉन्स्टिट्यूशनलिज़्म के बुनियादी सिद्धांतों पर रोशनी डाली और एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों की कॉन्स्टिट्यूशनल ज़िम्मेदारियों पर चर्चा की। उन्होंने पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में एथिकल गवर्नेंस और लीगल कम्प्लायंस पर ज़ोर दिया।

दूसरे सेशन को प्रोफेसर संजय गुप्ता, द लॉ स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू के पूर्व डायरेक्टर ने लीड किया, जिन्होंने पावर्स के सेपरेशन, रूल ऑफ़ लॉ और लॉ ऑफिसर्स की भूमिका और ड्यूटीज़ पर बात की। उन्होंने असरदार लीगल स्क्रूटनी, एडमिनिस्ट्रेटिव नोट्स की ड्राफ्टिंग और एडमिनिस्ट्रेटिव फैसले लेने में ऑब्जेक्टिविटी और लीगैलिटी बनाए रखने के महत्व पर डिटेल में जानकारी दी।

तीसरा सेशन, जिसे प्रोफेसर संजय गुप्ता ने ही लिया, एक प्रैक्टिकल वर्कशॉप थी जिसमें लीगल नोट की ड्राफ्टिंग और पावर्स के डेलीगेशन पर एक केस स्टडी पर फोकस किया गया। पार्टिसिपेंट्स ने हैंड्स-ऑन ड्राफ्टिंग एक्सरसाइज़ और इंटरैक्टिव डिस्कशन में हिस्सा लिया, जिसका मकसद ऑफिशियल लीगल काम में क्लैरिटी, प्रिसिजन और एनालिटिकल रीज़निंग डेवलप करना था।

J&K ज्यूडिशियल एकेडमी के डायरेक्टर, नसीर अहमद डार ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लीगल असिस्टेंट्स के लिए ट्रेनिंग कोर्स के दिन भर के सेशन की कार्यवाही को कंडक्ट किया।

आमजन की समस्याओं के समाधान पर निगरानी रखें जनपदों में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी : योगी

***लखनऊ, 1 दिसंबर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर से आए हर पीड़ित से स्वयं मुलाकात की, उनका प्रार्थना पत्र लिया और समस्याओं के निदान का आश्वासन किया। मुख्यमंत्री ने जनपद में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर समाधान पर विशेष जोर रहे। पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता पूर्वक कार्रवाई पर अधिकारी विशेष ध्यान दें। 'जनता दर्शन' में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक से मिलकर उनकी समस्याएं जानीं और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। 'जनता दर्शन' में जमीनी विवाद, राजस्व व पुलिस से संबंधित भी कई मामले आए। इस पर सीएम ने

निर्देश दिया कि पुलिस कार्रवाई निष्पक्षता व पारदर्शिता से सुनिश्चित की जाए। पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी व एसपी जनता की समस्याओं की निगरानी रखें और प्रमुखता से उसके निस्तारण पर ध्यान दें। दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने दोनों फरियादियों को मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर पीड़ित की मदद के लिए खड़ी है। चिकित्सा के लिए नियमित रूप से पीड़ितों को आर्थिक मदद की जा रही है। आप भी एस्टिमेट बनवाकर उपलब्ध कराएं, सरकार मदद करेगी। 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए। मुख्यमंत्री ने उन बच्चों को अपनत्व से दुलारा-पुचकारा, फिर उन्हें चॉकलेट दी। सीएम योगी आदित्यनाथ जी ने कुछ बच्चों का हालचाल भी जाना। सीएम ने उन्हें मन लगाकर पढ़ने और खूब नाम करने का आशीर्वाद दिया।

साइबर पुलिस पुंछ ने नवंबर के दौरान साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में 3,21,702 की वसूली की

जम्मू, 1 दिसंबर (हि.स.)। साइबर पुलिस स्टेशन पुंछ साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों का मुकाबला करने और नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिए अपने दृढ़ प्रयासों को जारी रखे हुए है इन निरंतर पहलों के तहत साइबर सेल ने नवंबर 2025 के महीने में जनता द्वारा दर्ज की गई विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतों में 3,21,702 की वसूली सफलतापूर्वक की है।

पूरे महीने में कई पीड़ितों ने यूपीआई धोखाधड़ी सोशल मीडिया घोटाले ऑनलाइन मार्केटप्लेस धोखाधड़ी फर्जी ऋण आवेदन ओटीपी दुरुपयोग और धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाओं से संबंधित शिकायतों के साथ साइबर पुलिस स्टेशन का रुख किया।

साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वास्तविक समय में संदिग्ध लेनदेन को रोक दिया बैंकों और वित्तीय मध्यस्थों के साथ समन्वय किया और धोखाधड़ी की गई राशि की समय पर वसूली सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल फुटप्रिंट का पता लगाया।

जिला पुलिस पुंछ साइबर सुरक्षा को मज़बूत करने और डिजिटल सावधानियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है नागरिकों से आग्रह है कि वे सतर्क रहें, व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी साझा करने से बचें।

अज्ञात लिंक या संदेशों को नज़रअंदाज़ करें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की तुरंत सूचना दें साइबर अपराध की घटनाओं की सूचना देने के लिए जनता सीधे साइबर पुलिस स्टेशन पुंछ से संपर्क कर सकती है या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल का उपयोग कर सकती है।

अवंतीपोरा में दो लंबे समय से फरार चल रहे लोगों को गिरफ्तार किया

जम्मू, 1 दिसंबर (हि.स)। अवंतीपोरा पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे लोगों को गिरफ्तार कियाजो पिछले 23 वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे थे। अवंतीपोरा पुलिस को प्रधान सत्र न्यायालय पुलवामा द्वारा जारी सीआरपीसी की धारा 299 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 335 के तहत दो फरार लोगों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट प्राप्त हुए।

इशाक अहमद शेख पुत्र गुलाम नबी शेख निवासी चेरसू फारूक अहमद डार पुत्र गुलाम मोहम्मद डार निवासी रेशीपोरा ये फरार लोग अवंतीपोरा पुलिस स्टेशन की एफआईआर संख्या 85/2002 में शामिल थे। तदनुसार एसडीपीओ अवंतीपोरा की देखरेख में एसएचओ पीएस अवंतीपोरा इंस्पेक्टर एजाज हमद के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई और आरोपियों को विभिन्न इलाकों से गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया यह गिरफ्तारी लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों का पता लगाने में अवंतीपोरा पुलिस के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

पोक्सो अधिनियम के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा दिलाई

जम्मू, 1 दिसंबर (हि.स.) जम्मू-कश्मीर पुलिस गांदरबल ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत एक गंभीर अपराध में शामिल एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दिलाई है। यह सजा ऐसे जघन्य अपराधों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के गांदरबल पुलिस के अथक प्रयासों में एक बड़ी सफलता है अभियुक्त वरिंदर ठाकुर पुत्र यादव लाल ठाकुर निवासी सरिस्वा बिहार को प्रधान सत्र न्यायाधीश गांदरबल की अदालत ने पोक्सो अधिनियम की धारा 06 के तहत आजीवन कारावास और 50,000 के जुर्माने की सजा सुनाई है।

262 युवा कैडेटों ने सैनिकों के रूप में शपथ ली और देश की रक्षा करने का वचन दिया

जम्मू, 01 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के 250 से अधिक सेना रंगरूटों को सोमवार को औपचारिक रूप से जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री (जेकेएलआई) रेजिमेंट में शामिल किया गया।

कुपवाड़ा, बारामूला, बडगाम और श्रीनगर जैसे कश्मीर जिलों के 262 युवा कैडेटों ने सैनिकों के रूप में शपथ ली और देश की रक्षा करने का वचन दिया।

व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पी के मिश्रा ने धनसाल में जेएकेएलआई रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित पासिंग-आउट परेड की समीक्षा की।

सैनिकों के परिवारों को उनके समर्थन के लिए गौरव पदक से सम्मानित किया गया क्योंकि उन्होंने अपने बेटों को रंगरूटों से राष्ट्र के समर्पित अभिभावकों में बदलते देखा था।सभा को संबोधित करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने कहा कि रंगरूट न केवल वर्दी की बल्कि भारत के सार की भी सेवा करेंगे। उन्होंने इस आयोजन को भारत की संप्रभुता की रक्षा के उनके संकल्प की एक शक्तिशाली पुष्टि बताते हुए उन्हें बधाई दी।

जैसे ही अंतिम सलामी दी गई और तिरंगे को ऊंचा उठाया गया नए सैनिकों ने वर्दी, राइफलें दृढ़ और मजबूत हौसलों के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत की।

एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि सर्दियों की हवा के बीच और त्रिकुटा पहाड़ियों की ऊंचाइयों के नीचे जम्मू और कश्मीर के 262 बहादुर बेटों ने जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर डंसल में अपनी विरासत को वीरता के इतिहास में दर्ज किया।

प्रवक्ता ने कहा कि परेड ग्राउंड में मार्शल संगीत की गूंज के साथ रंगरूटों ने अनुशासन और गर्व के साथ मार्च किया जो उनके प्रशिक्षण और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रेल मंत्रालय ने तीन महिला क्रिकेटरों को अधिकारी पद पर ओएसडी स्पोर्ट्स बनाया

नई दिल्ली, 01 दिसंबर । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन प्रमुख खिलाड़ियों प्रतिका रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को रेल मंत्रालय ने आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन ओटीपी देकर ग्रुप 'बी' राजपत्रित पद ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी ओएसडी-स्पोर्ट्स पर पदोन्नत कर दिया है। यह प्रमोशन उन्हें आईसीसी महिला वनडे क्रिकेट विश्व कप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

रेलवे बोर्ड द्वारा जारी आदेशों के अनुसार—

प्रतिका रावल : वरिष्ठ लिपिक प्रतिका रावल को उत्तर रेलवे से ग्रुप 'बी' के ओएसडी स्पोर्ट्स पद पर पदोन्नत किया गया है। स्नेह राणा : सीसीटीसी के पद पर कार्यरत अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर स्नेह राणा को भी आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देकर ग्रुप 'बी' के ओएसडी स्पोर्ट्स पद पर नियुक्त किया गया है। रेणुका सिंह ठाकुर : जूनियर क्लर्क रेणुका सिंह ठाकुर को उनकी विश्व कप प्रदर्शन के आधार पर ग्रुप 'बी' के ओएसडी स्पोर्ट्स पद पर पदोन्नति दी गई है। ये तीनों खिलाड़ी अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के समकक्ष वेतन और सुविधाएं प्राप्त करेंगी। रेल मंत्रालय ने उत्तर रेलवे प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे खेल कोटे के अंतर्गत उपलब्ध ग्रुप 'बी' पदों का उपयोग करते हुए तीनों खिलाड़ियों की पदोन्नति की प्रक्रिया तुरंत पूरी करें। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड आरएसपीबी की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी।

बंदीपोर में मल्टी-स्टोरी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को प्रशासन ने सील किया

जम्मू,, 1 दिसंबर (हि.स.)। बंदीपोर के शादिपोरा क्षेत्र में जिला प्रशासन ने एक मल्टी-स्टोरी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को सील कर दिया है। प्रशासन का आरोप है कि यह इमारत राज्य की जमीन पर बनाई गई है। कॉम्प्लेक्स के मालिक ने कहा कि उन्होंने प्रशासन को बताया कि कुल जमीन में से 3.5 मरले उनकी निजी संपत्ति हैं और उन्होंने इसे अलग पहचानने का अनुरोध किया।

ट्रेन नंबर 12919 के पैंट्री कार में कचरा प्रबंधन पर विशेष संवाद आयोजित

जम्मू,, 1 दिसंबर (हि.स.)। रेलवे बोर्ड द्वारा ट्रेनों में कचरा प्रबंधन को लेकर जारी निर्देशों के तहत जम्मू डिवीजन में आज ट्रेन नंबर 12919 के पैंट्री कार में एक विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल के मार्गदर्शन में गठित वाणिज्य टीम द्वारा आयोजित किया गया। संवाद के दौरान पैंट्री कार स्टाफ को कचरे को सील पैकेट में एकत्र करने और निर्धारित स्टेशनों पर ही उसका निस्तारण करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। निर्देशों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई। टीम ने कार्यक्रम के दौरान स्टाफ के पहचान पत्र और मेडिकल सर्टिफिकेट भी चेक किए।

जम्मू डिवीजन ने नवंबर में टिकट जाँच अभियान के तहत 57 लाख वसूले

जम्मू, 01 दिसंबर (हि.स.)। उत्तर रेलवे के जम्मू डिवीजन ने अपने सघन टिकट जाँच अभियान से उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया है और नवंबर 2025 के दौरान लगभग57 लाख का जुर्माना वसूला है। मंडल रेल प्रबंधक विवेक कुमार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) उचित सिंघल के पर्यवेक्षण में, जम्मू, कटरा, पठानकोट कैंट, पठानकोट सिटी और श्रीनगर सहित प्रमुख स्टेशनों पर विशेष अभियान चलाए गए।

जम्मू और कश्मीर के युवा सैनिकों ने दिव्य त्रिकुटा ऊंचाइयों के नीचे मार्च किया

उधमपुर, 1 दिसंबर (हि.स.)। त्रिकुटा पहाड़ियों की गंभीर ऊंचाइयों के नीचे जम्मू और कश्मीर के 262 बहादुर बेटों ने जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर, डंसल, जो श्रीनगर में मुख्य रेजिमेंटल सेंटर की शीतकालीन चौकी है में अपनी विरासत को वीरता के इतिहास में गहराई से अंकित किया।

ठंडी हवा को हिलाते हुए मार्शल धुनों के साथ, साहस और गौरव से लदे ये रंगरूट, अटूट उत्साह के साथ आगे बढ़े जो राष्ट्र के अदम्य रक्षकों का प्रतीक था।

लेफ्टिनेंट जनरल पीके मिश्रा, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, जीओसी व्हाइट नाइट कोर की निगरानी ने परेड को दिनचर्या से कहीं अधिक गंभीरता प्रदान की। यह कार्यक्रम भारत की संप्रभुता को कमजोर करने वाले खतरों के खिलाफ अवज्ञा के एक शक्तिशाली गान के रूप में गूंज उठा खासकर हाल की घटनाओं के बाद।

यह औपचारिक नहीं था, यह उस निर्बाध एकता और उग्र देशभक्ति का एक जीवंत प्रमाण थी जो सैनिकों की जैतून-हरियाली से झलकती है। जैसे ही सर्दियों की धुंध में अंतिम सलामी गूंजी, तिरंगा ऊंचा उठ गया, जो इन युवाओं के लगातार आगे बढ़ने का प्रतीक है जो न केवल कदम बढ़ा रहे थे बल्कि राइफल लेकर आगे बढ़ रहे थे।

मेडिकल कॉलेज में भेदभावपूर्ण प्रवेश को लेकर एसएमवीडी श्राइन बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

जम्मू, 1 दिसंबर (हि.स.)। युवा राजपूत सभा (वाईआरएस) ने आज तवी ब्रिज पर महाराजा हरि सिंह जी की प्रतिमा के पास एक विशाल और शक्तिशाली विरोध प्रदर्शन किया जिसमें सभा ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) की कड़ी निंदा की जिसे सभा ने बोर्ड द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज में भेदभावपूर्ण और असंवेदनशील प्रवेश प्रक्रिया करार दिया।

सभा ने इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया कि 50 में से 42 सीटें गैर-हिंदू छात्रों को आवंटित की गईं और इस कदम को हिंदू छात्रों के साथ गंभीर अन्याय और माता वैष्णो देवी के करोड़ों भक्तों की भावनाओं पर सीधा हमला बताया।

वाईआरएस के सैकड़ों सदस्यों और स्वयंसेवकों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, नारे लगाए और प्रवेश सूची की तत्काल समीक्षा की मांग की।

विरोध का नेतृत्व अध्यक्ष वाईआरएस ने किया। मनदीप सिंह रिंपी ने अपने संबोधन में कहा कि श्राइन बोर्ड का अस्तित्व हिंदू समुदाय की आस्था, भक्ति और प्रसाद के कारण है और इसलिए बोर्ड द्वारा संचालित किसी भी संस्थान को पहले हिंदू युवाओं के अधिकारों और आकांक्षाओं की रक्षा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि गैर-हिंदू छात्रों को 50 में से 42 प्रवेश देना न केवल एक अनियमितता है बल्कि हिंदू उम्मीदवारों के खिलाफ भेदभाव का स्पष्ट मामला है।

उन्होंने कहा कि सभा न केवल एमबीबीएस कार्यक्रम में बल्कि श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी शैक्षणिक और व्यावसायिक धाराओं में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता सुनिश्चित करने वाले अनिवार्य प्रावधान तैयार करने की मांग करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश भर में धार्मिक बोर्डों द्वारा वित्त पोषित संस्थानों में पहले से ही समुदाय-केंद्रित प्रावधान हैं और इसे एसएमवीडीएसबी द्वारा अक्षरशः लागू किया जाना चाहिए। रिम्पी ने चेतावनी दी कि यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वाईआरएस पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अपना आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होगा।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :– 433–सिग–टी–57–25–26 **दिनाँक 29.11.2025**
बंद होने की तिथि / समय : 22.12.2025 15:00 बजे

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोज़पुर भारत के राष्ट्रपति की और से टैंडर नं. 433-सिग-टी-57-25-26 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 22.12.2025 15:00 बजे तक **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवांए। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडंर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

कार्य का नाम	(i) डी एस टी ई/फिरोजपुर के सेक्शन के लिए एक साल के लिए सेक्शनल सिग्नल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (SSMC) (ii) (i) एडीईएन-II/एएसआर के अधिकार क्षेत्र में एमसी अमृतसर द्वारा जेयूसी-एएसआर सेक्शन पर किमी 505/4-6 पर और एएसआर-पीटीके सेक्शन पर ओएचई 6/9-11 पर प्रत्येक 3.00 मीटर x 2.50 मीटर आकार के दो आरसीसी बॉक्स पुलों का निर्माण। (2) आरसीसी सीमा दीवार (एनआर प्रकार एफ-71 के अनुसार) और अन्य विविध कार्य, जेयूसी–एफजेडआर सेक्शन पर आरसीएफ हाल्ट और सुल्तानपुर लोधी रेलवे स्टेशन के बीच किमी 43/8-9 पर आरओबी के निर्माण के संबंध में एस एण्ड टी कार्य।		
टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय	22.12.2025 15:00	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	29.11.2025 12:27
अनुमानित कीमत	(i) 14984554.68 (ii) 6908493.70	बिडिंग आरम्भ की तिथि (आईआरईपीएस)	08.12.2025
ब्याना राशि (रु.)	(i) 224900.00 (ii) 138200.00	कार्य पूरा करने की अवधि	(i) 12 महीने (ii) 6 महीने
नोटः	निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि बारे में स्वयं को अपडेट रखें।		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3714/25

राणा ने श्रीनगर में जन शिकायतें सुनीं; तत्काल निवारण के लिए मौके पर ही निर्देश जारी किए

जम्मू,01 दिसंबर। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज श्रीनगर में कई प्रतिनिधिमंडलों के साथ कई बैठकें कीं। समूहों ने जल आपूर्ति योजनाओं, वन एवं पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ-साथ रहबर-ए-जंगलात कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं को भी उठाया। प्रतिनिधियों ने मंत्री को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी सेवा वितरण में आ रही विभिन्न बाधाओं से अवगत कराया। मंत्री ने सभी प्रस्तुतियों को धैर्यपूर्वक और विस्तार से सुना और संबंधित विभागीय शाखाओं को समयबद्ध, पारदर्शी और तत्काल समाधान के लिए तत्काल निर्देश जारी किए। उत्तरदायी और जवाबदेह शासन के प्रति उमर अब्दुल्ला सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, मंत्री ने पुष्टि की कि उमर के नेतृत्व वाली सरकार जन-केंद्रित शासन और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं की कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। उन्होंने आश्वासन दिया कि व्यापक जनहित में सभी वास्तविक चिंताओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

'मॉडर्न चरखे से सूत की संख्या और पैदावार बढ़ती है'

श्रीनगर, 01 दिसंबर। दुनिया भर में मशहूर पश्मीना ऊन को हाथ से कातने के देसी तरीके को सुरक्षित रखने के लिए, कश्मीर के हैंडीक्राफ्ट और हैंडलूम डिपार्टमेंट ने अपने सभी 16 पश्मीना स्पिनिंग ट्रेनिंग सेंटर में पारंपरिक चरखों की जगह 213 मॉडर्न चरखे लगाए हैं, जिनमें हर सेंटर में 20 ट्रेनी बैठ सकते हैं। ये ट्रेनिंग सेंटर श्रीनगर, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, गंदेरबल, अनंतनाग और बांदीपोरा जिलों में चल रहे हैं। आज यहां जारी एक प्रेस स्टेटमेंट में जानकारी देते हुए, डिपार्टमेंट के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि स्न्नस्न्न कश्मीर के डिज़ाइन किए गए मॉडर्न स्पिनिंग चरखे स्पिनरों को एक हेल्दी पोस्चर देते हैं, जिन्हें पहले पश्मीना ऊन को हाथ से स्पिन करने के लिए झुककर बैठना पड़ता था, यह एक मुश्किल काम था जो सिर्फ़ कश्मीर के मशहूर कारीगर ही जानते थे। उन्होंने आगे कहा, मॉडर्न चरखा रोज़ाना की पैदावार को भी कम से कम तीन गुना बढ़ा देता है, जिससे कारीगरों की फाइनेंशियल इनकम भी बढ़ती है। खास बातों के बारे में बताते हुए, स्पोक्सपर्सन ने आगे कहा कि ये पैडल से चलने वाले चरखे पश्मीना यार्न काउंट में एक जैसापन लाने में मदद करते हैं।

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
JAL SHAKTI IRRIGATION DIVISION UDHAMPUR
CORREGENDUM

Due to error in work namely Construction of protection work in tributries and catchment of Ghordi and panchayat nallah Ghorian, Ghordi Jagir &Ghordi Khas under(UT capex) please read qty instead of rates in BOQ and vice versa. Further date of receipt and opening date of bids is extended as under:-

S. No	Name of work	Ref. to enit No.	Tender reference ID	Date of submission	Date of Opening
1	Construction of protection work in tributries and catchment of Ghordi and panchayat nallah Ghoran, Ghordi Jagir &Ghordi Khas under(UT capex)	E-NIT NO. 16 OF 2025-26 Dated:- 19-11-2025	2025_IFC_295670_2	03-12-2025 upto 4.00 P.M	04-12-2025 at 1.30 P.M

No. IDU/-4213-4225 -
Dated:- 29-11-2025

DIP/J-8497/25
Dtd: 1-12-2025

Sd/-
ExecutiveEngineer
IrrigationDivision
Udhampur

संपादकीय

डोगरी को ज़रूरी सब्जेक्ट बनाना

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि नई पीढ़ी, जिसे त्व्द्वट्ट ँ के नाम से जाना जाता है, इस इलाके की कल्चरल विरासत से काफी हद तक कटी हुई है और अक्सर इनमें से कई युवा डोगरी, गोजरी, पूंछी, पहाड़ी जैसी रीजनल भाषाएं बोलने में शर्माते हैं। इस नए ट्रेंड के पीछे कई वजहें हैं, जिससे युवा पीढ़ी इस इलाके की रिच कल्चर, खासकर लोकल भाषाओं से दूर हो गई है।

भाषाओं के प्रति इस सोच में बदलाव का सबसे आम कारण नई पीढ़ी के माता-पिता की छिपी हुई इच्छा है, जो किसी न किसी तरह चाहते थे कि उनके बच्चे इंग्लिश या हिंदी बोलें, इसके कई कारण हैं, जिनमें आज की दुनिया में नौकरियों की ज़रूरत भी शामिल है, जहां गलाकाट कॉम्पिटिशन है और लोकल और रीजनल बातचीत के तरीकों के बजाय इंग्लिश और हिंदी भाषाओं को ज़्यादा पसंद किया जाता है।

इस मामले में, समाज में कुछ ऐसे लोग हैं, जो लोकल भाषाओं, खासकर डोगरी को बनाए रखने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। डोगरी, जो जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों के अलावा Pok के कुछ इलाकों में भी फैली और इस्तेमाल होने वाली विशाल और जीवंत डोगरा संस्कृति का भंडार है, को बनाए रखने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

इस बारे में, खबर है कि टीम जम्मू की एक शाखा, डुग्गर बिरादरी ने जम्मू में भूख हड़ताल करके सरकार से मार्च 2026 से शुरू होने वाले आने वाले एकेडमिक सेशन से पूरे जम्मू क्षेत्र में प्राइमरी लेवल तक डोगरी को एक ज़रूरी सब्जेक्ट के तौर पर लागू करने की मांग की है। यह सही दिशा में उठाया गया सही कदम लगता है। इस मांग को सिविल सोसाइटी के सदस्यों का एक हताश कदम माना जाना चाहिए, जो सरकार से डोगरी भाषा और उससे जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में समाज की मदद करने की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि स्कूलों में इस भाषा को ज़रूरी बनाने से निश्चित रूप से लोकल लेवल पर इसे फिर से ज़िंदा करने में मदद मिलेगी, जो आज के समय की ज़रूरत है।

यह एक कठोर सच्चाई है कि डोगरी भाषा युवाओं के बीच अपनी पकड़ खो रही है क्योंकि बच्चों को उनके शुरुआती सीखने के दौर में उनकी मातृभाषा से परिचित नहीं कराया जा रहा है। कुल मिलाकर, सरकार में बैठे लोगों, खासकर जम्मू इलाके के लोगों को इस मांग की ज़रूरत पर ध्यान देना चाहिए और प्राइमरी स्कूल लेवल पर डोगरी शुरू करके इस मामले में सही कदम उठाना चाहिए, ताकि आने वाले समय में डोगरा कल्चर को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई न हो सके और इस इलाके में डोगरी को कोई अपनाने वाला न बचे। यह मुद्दा बहुत ज़रूरी है और लोगों, खासकर मदर्स डे को भी इस पर सोचना चाहिए और अपने बच्चों से डोगरी बोलना शुरू करना चाहिए, इसके अलावा सरकार को भी प्राइमरी स्कूल लेवल पर यह भाषा शुरू करके इस मांग पर ध्यान देना चाहिए ताकि कल्चरल नुकसान को रोका जा सके जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।

'स्मार्ट सिटी' में डाटा : निजीकरण से कमाई

स्मार्ट सिटीज मिशन और इंडिया अर्बन डेटा एक्सचेंज ने शहरी सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने का वादा किया था, लेकिन वास्तव में ये इस बात की याद दिलाते हैं कि सार्वजनिक धन का उपयोग हमारे डेटा के वस्तुकरण और निजीकरण को तेज़ करने के लिए किया गया है। भारतीयों को इस मूल धारणा पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित करना चाहिएस्मार्ट सिटीज़ मिशन% ने डेटा-आधारित शासन के एक नए दौर की शुरुआत करके भारत के शहरों को पुनर्जीवित करने का वादा किया था। इसमें कहा गया था कि ऐप्स के ज़रिए डेटा का उपयोग करके नागरिकों को प्रमाणपत्र और आधिकारिक दस्तावेज़ सीधे उपलब्ध कराए जा सकेंगे, जबकि संपत्तिकर और सेवाओं के बिलों की ऑनलाइन वसूली से नगर निगमों की आमदनी में सुधार किया जा सकता है। इसने यह विचार भी रखा कि शहरी सेवाएं जैसे सार्वजनिक परिवहन, यातायात नियंत्रण और कचरा संग्रहण, डेटा विश्लेषण और स्वचालन के उपयोग से काफी बेहतर बनाई जा सकती हैं।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेंगलुरु, भुवनेश्वर, भोपाल और सूरत जैसे शहरों में सार्वजनिक परिवहन, यातायात और कुछ मामलों में ठोस कचरे से जुड़ा डेटा एकत्र करने के लिए विभिन्न सेंसर, नेटवर्क और डाटाबेस स्थापित किए गए। मिशन के तहत चुने गए सौ शहरों में बनाए गए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटरों के प्लेटफॉर्म इन डिजिटल संरचनाओं से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करके शहरी सेवाओं को स्वचालित करने वाले थे। डेटा डैशबोर्ड शहर प्रशासन को प्रदर्शन की निगरानी में मदद करने के लिए बनाए गए थे, ताकि निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार किया जा सके।आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने इन डेटा आधारित प्रयासों को दिशा देने के लिए डेटा स्मार्ट सिटीज स्ट्रैटेजी जारी की थी। इसके अलावा, इंडिया अर्बन डेटा एक्सचेंज नामक एक केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत 50 शहरों की डिजिटल अवसंरचना से प्राप्त आंकड़ों को एकत्रित किया, लेकिन दस साल बाद भी स्मार्ट सिटीज मिशन के वादे पूरे नहीं हुए हैं। इसके बजाय, इन आकर्षक नारों के पीछे सार्वजनिक धन से तैयार की गई अवसंरचना और डेटा का उपयोग शहरी शासन के निजीकरण को तेज़ करने के लिए किया जा रहा है।स्मार्ट सिटीज मिशन की कमियों के बावजूद, डेटा आधारित शासन और ऐप्स नए शहरी कार्यक्रमों का केंद्र बने हुए हैं। साल 2021 में नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन ने पूरे देश के सभी शहरों और कस्बों में नागरिकों को प्रमाणपत्र और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उपयोग नामक एक एकीकृत ऐप पेश किया। इस वर्ष ट्रांसपोर्ट स्टैक परियोजनाएं शुरू की गईं, जिनके तहत दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए ऐप्स लाए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य ऑनलाइन टिकटिंग, मार्ग योजना और वाहनों की ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।शहरी डिजिटल डेटा तैयार करने का प्रयास नयश्चा नहीं है। पिछले चार दशकों में भूमि स्वामित्व शीर्षक, संपत्तिकर रजिस्टर और जन्म-मृत्यु पंजीकरण जैसे नगर निगम अभिलेखों को धीरे-धीरे केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं के तहत डिजिटाइज किया गया। साल 2006 की नेशनल ई-गवर्नेंस योजना ने इन प्रयासों को कुछ गति दी थी, लेकिन अधिकांश राज्यों ने नागरिकों के अभिलेखों का डिजिटलीकरण और शहरों के संपत्ति रिकॉर्ड का एकीकरण केवल 2020 के आसपास ही पूरा किया, जब उन्हें सिटीज मिशन के तहत धन प्राप्त हुआ।

खंडित नेशनल ई-गवर्नेंस योजना की वेबसाइटों को बदलने के लिए एकीकृत ऐप्स बनाए गए। इनसे नागरिक प्रमाणपत्र, लाइसेंस और कर वसूली से जुड़ी सेवाओं का लाभ ऑनलाइन उठा सकते थे, बिना नगर निगम कार्यालय गए। स्मार्ट सिटीज मिशन का विशेष योगदान यह था कि इसने वाहनों की संख्या और गति का डेटा एकत्र करने, यातायात उल्लंघनों का पता लगाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों की निगरानी करने और कचरा संग्रहण को मापने के लिए डिजिटल अवसंरचना स्थापित की। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स में मौजूद सॉफ्टवेयर का उद्देश्य इन आंकड़ों का विश्लेषण कर शहरी सेवाओं में सुधार करना था– जैसे स्वचालित सिग्नलों के जरिए यातायात नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन की पहुंच और प्रदर्शन की निगरानी, तथा प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स के माध्यम से बेहतर आवागमन और कचरा संग्रहण मार्ग सुझाना।

यातायात उल्लंघन सेंसर, नंबर प्लेट पहचान कैमरे और सभी पंजीकृत वाहनों के केंद्रीय वाहन डेटाबेस के माध्यम से जुर्माने की वसूली में तो वृद्धि हुई है, लेकिन स्वचालित यातायात नियंत्रण प्रणाली अक्सर व्यस्त घंटों में अपने निर्धारित तरीके से काम नहीं करती। सार्वजनिक परिवहन तक बेहतर पहुंच के सबूत बहुत कम हैं, क्योंकि स्मार्ट सिटीज मिशन के ऐप वाहन की वास्तविक स्थिति की जानकारी देने में विफल रहे। डेटा के उपयोग से कचरा संग्रहण या मार्ग योजना में सुधार का भी कोई स्पष्ट उदाहरण नहीं है। शहरों में आपातकालीन वाहनों के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाने की कई पायलट परियोजनाओं की घोषणा की गई थी, लेकिन वे शायद ही लागू हुई हों।इन विविध डिजिटल अवसंरचनाओं के परिणामस्वरूप, कई शहरों में उपलब्ध सबसे विस्तृत डेटा सार्वजनिक परिवहन, यातायात की मात्रा और गति तथा कचरा संग्रहण से संबंधित है। यह डेटा विभिन्न शहरों से एकत्र कर इंडिया अर्बन डेटा एक्सचेंज में केंद्रीकृत किया गया है। यह एक्सचेंज डेटा मार्केटप्लेस के रूप में कार्य करते हुए अकादमिक संस्थानों और उद्योगों को डेटा तक पहुंच प्रदान कर सार्वजनिक हित में इसके उपयोग का वादा करता है।यह एक्सचेंज शहरों की अवसंरचना से डेटा एकत्र करता है और कं पनियों को उस तक पहुंच प्रदान करता है, लेकिन स्पष्ट डेटा कानूनों और नीतियों के अभाव में यह स्पष्ट नहीं है कि इस सार्वजनिक डेटा तक पहुंच की अनुमति कौन देता है और क्या इसके लिए कोई शुल्क लिया जाता है। उदाहरण के लिए, भुवनेश्वर का सार्वजनिक परिवहन डेटा इस एक्सचेंज पर उपलब्ध कराया गया था।

एक निजी कंपनी ने इस डेटा का उपयोग अपनी टिकटिंग और बस ट्रैकिंग ऐप चलाने के लिए किया, जिसे बाद में शहर की सार्वजनिक परिवहन एजेंसी को एक समाधान के रूप में बेचा गया। इसी तरह के ऐप यातायात नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन और ठोस कचरा प्रबंधन के लिए सूरत, बेंगलुरु और वाराणसी जैसे शहरों में भी लागू किए गए।प्रमाणपत्र, लाइसेंस और बिलिंग की डिजिटल डिलीवरी डिजिटलीकरण के पूरा होने के बाद निश्चित रूप से तेज़ और अधिक कुशल हुई है, लेकिन यह वास्तव में स्मार्ट सिटीज मिशन की नहीं, बल्कि पहले की ई-गवर्नेंस सुधार पहलों की क्रमिक सफलता है। स्मार्ट सिटीज मिशन ने केवल इन सेवाओं तक पहुंच के लिए एकीकृत ऐप्स पेश करके इन पहलों को पूरा करने में सहायता की। इस क्षेत्र में स्मार्ट सिटीज मिशन का योगदान सार्वजनिक धन से डिजिटल अवसंरचना स्थापित करने तक सीमित रहा।

जो जानकारी एजेंसियों को शहरी सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने में मदद करने के लिए एकत्र की गई थी, वह अंततः इंडिया अर्बन डेटा एक्सचेंज के माध्यम से एक वस्तु में बदल गई।इन ऐप्स को विकसित और बढ़ावा देने वाले उद्योग प्रतिनिधियों का दावा है कि ये नागरिकों और शहरी सेवाओं में सुधार से जुड़ी अधूरी परियोजनाओं को पूरा करेंगे। हालांकि मंत्रालय और उद्योग जगत इन ऐप्स को डजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर कह रहे हैं, लेकिन इनका एकमात्र सार्वजनिक पहलू वह डेटा है जिस पर ये निर्भर करते हैं– और यह डेटा दशकों से सरकार द्वारा वित्तपोषित डिजिटल परियोजनाओं और अवसंरचनाओं से प्राप्त हुआ है।

स्मार्ट सिटीज मिशन और इंडिया अर्बन डेटा एक्सचेंज ने शहरी सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने का वादा किया था, लेकिन वास्तव में ये इस बात की याद दिलाते हैं कि सार्वजनिक धन का उपयोग हमारे डेटा के वस्तुकरण और निजीकरण को तेज़ करने के लिए किया गया है। भारतीयों को इस मूल धारणा पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित करना चाहिए कि डेटा आधारित शासन और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना हमारे शहरों को बेहतर बनाने की आदर्श रणनीतियां हैं।

सहज कर्म-पथ का आह्वान है भगवद्गीता

गिरीश्वर मिश्र

कालजयी श्रीमद्भगवद्गीता उस महाभारत का अंश है जिसे भारतीय चिंतन की परम्परा में इतिहास में परिगणित किया गया है। यह महान रचना इस अर्थ में विशिष्ट है कि इसके रचयिता महर्षि वेदव्यास स्वयं उन घटनाओं के साक्षी और भागीदार भी थे जिनका वर्णन उन्होंने अपनी रचना में किया था। आगे चल कर भारत की सभी मुख्य भाषाओं में यह अमर गाथा निरंतर गाई जाती रही और भारतीय सर्जनात्मक प्रतिभा द्वारा महाभारत से सामग्री को लेकर प्रचुर संख्या में उपन्यास, नाटक और काव्य रचे जाते रहे हैं। इसने संगीत और नृत्य को भी निरंतर प्रभावित किया है। वस्तुतः यह केवल एक सर्वसमावेशी औपचारिक शास्त्र ही नहीं रहा बल्कि लोक-जीवन में भी गहरे रच बस गया। महाभारत की महागाथा में धर्म की अवधारणा ही प्रमुख है। गीता का आरम्भ भी धर्म शब्द के साथ होता है। धर्म का तत्व देश, काल और पात्र के सापेक्ष होता है और गतिशील जीवन-पद्धति को इंगित करता है। स्वधर्म की बात आगे समझायी गई है। ईश्वर का अवतार धर्म को पहचानने और स्थापित करने के लिए होता है। धर्म को रीति और नीति से भिन्न समझना होगा। अपने से दुर्बल की सहायता करना ही परम धर्म है। इस दृष्टि से सामाजिक संदर्भ के सापेक्ष ही धर्म की समझ भी आकार लेती है। ऋग्वेद, उपनिषद और धर्मशास्त्र आदि सब का संज्ञान लेते हुए महाभारत रचा गया। भगवद्गीता महाभारत का हृदय सरीखा है। भगवद्गीता महाभारत के भीष्म पर्व में है पर उसके पहले वन पर्व में व्याध-गीता का भी एक आख्यान आता है। आश्चर्य यह कि दोनों हिंसा की पृथभूमि में हैं, एक कसाई के घर में तो दूसरी युद्ध-भूमि में। भौतिक (प्रकृति) और मानसिक चैतन्य (पुरुष) का भेद दोनों में ही दिखता है। प्रकृति का सत्य विविधताओं से भरा हुआ है। मनुष्य की कल्पनाशीलता उसे चर-अचर अन्य सभी जीवों या पदार्थों से अलग करती है। वह अमरता की कल्पना कर सकता है। इसी क्रम में अर्थ की तलाश करते हुए चैतन्य या देही की अवधारणा प्रस्तुत हुई। मनुष्य से यह अपेक्षा है कि वह पाशविक वृत्ति से ऊपर उठ कर ऊर्ध्वमुखी हो। यही जीवन में व्याप्त हीनता और क्षुधा को दूर करने वाला है। गीता की विचारधारा सदियों से देश-विदेश में मानवीय चिंतन को प्रभावित करती आ रही है। अब तक विश्व की विभिन्न भाषाओं में गीता के तीन हज़ार से अधिक अनुवाद हो चुके हैं। गीता की व्याख्या के लिए अनेक महत्वपूर्ण भाष्य शंकराचर्य, रामानुजाचार्य, माध्वाचार्य, अभिनव गुप्तपादाचार्य, संत ध्यानेश्वर, तथा स्वामी रामसुख दास आदि अनेकानेक आचार्यों और संतों ने ही नहीं लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, संत बिनोबा भावे आदि अनेक राष्ट्रप्रेमी नेताओं ने भी रचे हैं। गीता की संगीतात्मकता, उसकी लयबद्धता और विचार की विशालता ने उसके अनुवाद और पुनराख्यान के लिए प्रेरित किया। कहा गया कि गीता को अच्छी तरह गाना और गुनगुनाना चाहिए- गीता सुगीता कर्तव्या। सारे शास्त्रों को विस्तार में पढ़ने की जगह गीता को हृदयंगम करना ही पर्याप्त है। पर गीता को पढ़ें तो लगता है कि वहाँ सीधी रेखा में बात आगे नहीं बढ़ती है। कुछ विचार गीता में कई अध्यायों में इतस्ततः बिखरे मिलते हैं, कुछ बार-बार अनेक स्थलों पर दुहराये गए हैं, कुछ ऐसे भी हैं जो अन्यत्र वेद तथा उपनिषद आदि में विद्यमान हैं। यदि इसमें एक ही शब्द के अनेक अर्थ मिलते हैं तो एक ही अर्थ के लिए कई भिन्न शब्द भी प्रयुक्त मिलते हैं। आत्मा, देही, तथा शरीर आदि शब्दों का प्रयोग इसी तरह का है। कृष्ण जीवन के अनेकानेक संदर्भों में आज भी प्रासंगिक बनी हुई है। संरचना की दृष्टि से यह भी विलक्षण है कि कृष्ण के विचार सीधे हम तक नहीं पहुचते। धृतराष्ट्र ने पूछा और संजय ने सुना कर बताया। अधिकारहीन पर अद्भुत दृष्टिसंपन्न संजय वक्ता हैं जो युद्ध को देख कर दृष्टिहीन परन्तु अधिकारसंपन्न धृतराष्ट्र को वर्णन सुनाते हैं और उन्होंने जो देख कर सुनाया वह हम सुनते पढ़ते हैं। कृष्ण स्रोत हैं पर संजय सूचना या संदेश के प्रस्तोता हैं। शायद धृतराष्ट्र और अर्जुन दोनों श्रीकृष्ण के वचनों को सुनते हैं पर अपने अपने ढंग से और कदाचित भिन्न भिन्न रूपों में। अर्जुन श्रीकृष्ण से प्रश्न पूछते हैं। धृतराष्ट्र चुप रहते हैं। वे डरे सहमे हुए हैं, शायद मन ही मन कृष्ण के वचनों को सुन कर गुनते-आंकते हैं। गीता में उपस्थित विमर्श में श्रीकृष्ण विश्लेषण (सांख्य) और संश्लेषण (योग) दोनों पद्धतियों का उपयोग करते हैं। उन्होंने व्यावहारिक कर्म-योग, भावनात्मक भक्ति-योग और बौद्धिक ज्ञान-योग का प्रतिपादन किया है। गीता के पाँचवे अध्याय में श्रीकृष्ण शरीर को नौ द्वारों वाली एक पुरी बताते हैं। गीता द्वारा मानस का विस्तार और यथार्थ का बोध संभव होता है। कर्म का सिद्धांत यह बताता है कि आप वर्तमान परिस्थिति को तो नहीं नियंत्रित कर सकते किंतु उस परिस्थिति के प्रति प्रतिक्रिया कैसे करें यह जरूर चुन सकते हैं। गीता का कर्मवाद यह भी स्पष्ट करता है कि मनुष्य अपनी परिस्थितियों का स्वयं निर्माता भी है। इसका संदेश यही है कि आप स्वयं अपने जीवन के लिए उत्तरदायी हैं। हमारे बस में मात्र यही है कि हम परिस्थिति के प्रति किस तरह प्रतिक्रिया करते हैं। पर हम समाज के अंग हैं और सबसे अलग-थलग भी नहीं हैं। हम दूसरों के कर्म से भी प्रभावित होते हैं। इसलिए कई बार बीज कुछ होता है और फल उससे भिन्न कुछ अन्य प्रकार का। इसीलिए गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म पर ध्यान देने को कहते हैं न कि फल पर। कर्म का परिणाम जो भी हो पाँच चीज़ों पर निर्भर करता है- शरीर, मन, उपकरण, विधि तथा दैव (भाग्य)। मूर्ख ही खुद को अकेले कारण मानता है। यदि हम खुद को कर्मों के परिणामों से नहीं बाँधते तो कर्म भी हमको नहीं बाँधते। सुख, शक्ति और स्वर्ग की कामना से किया गया कर्म जब किया जाता है तो आँख फल पर टिकी होती है न कि कर्म पर। कर्म, विकर्म और अकर्म के बीच के अंतर को समझना कठिन है। बुद्धिमान लोग कर्म फल से बिना जुड़े निर्लिप्त हो कर काम करते हैं। (लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

भारत का मेजर ताकत बनना बड़ी उपलब्धि, सुपर ताकत बनना बड़ी चुनौती

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी संस्था द्वारा जारी एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि भारत शक्तिशाली देशों की कतार में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। लोवी द्वारा जारी इंडेक्स में मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करने वाला भारत एकमात्र देश है जबकि सुपर पॉवर के रुप में अमेरिका और चीन अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। भारत ने मेजर पॉवर का दर्जा हासिल कर लिया है पर सुपर पॉवर का दर्जा हासिल करने में अभी भारत को लंबा समय और कड़ी मेहनत व प्रयास करने होंगे।

दरअसल, 8 पेरामीटर्स में 100 में से 70 से अधिक अंक अर्जित करने वाले देश ही सुपर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और अमेरिका इसमें 80.5 अंक प्राप्त कर सुपर पॉवर बना हुआ है। वहीं, चीन भी अमेरिका के पीछे-पीछे 73.7 अंकों के साथ दूसरा सुपर पॉवर बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद अमेरिका ने बहुत कुछ खोया है फिर भी पहले स्थान का ताज आने वाले सालों में भी छिनता हुआ नहीं लगता है। भारत ने अवश्य जापान को पछाड़ कर तीसरा स्थान बनाया है और 40 अंक प्राप्त कर मेजर पॉवर तो बन ही गया है।

40 या 40 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले देश मेजर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और यह दर्जा प्राप्त करने वाला भारत अकेला देश बन गया है। एशिया प्रशांत के 27 देशों से शेष 23 देश मिडिल पॉवर व उससे नीचे की श्रेणी में हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान इस इंडेक्स में पहले दस में भी स्थान नहीं बना पाया है।

पाकिस्तान सूची में 16 वें स्थान पर रहा है। निश्चित रुप से यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि और इंटरनेशनल जगत में भारत के बढ़ते दबदबे का स्पष्ट संकेत है।

ऑपरेशन सिन्दूर और इससे पहले भी जिस तरह से भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया है और इंटरनेशनल डिप्लोमेसी में भारत की अग्रगामी भूमिका तय की गई है उसका बड़ा प्रभाव पड़ा है।

आर्थिक क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने इसे तीसरे पायदान पर लाने में खासी भूमिका तय की है। भारत आज दुनिया के देशों में बड़ी आर्थिक शक्ति के रुप में उभरा है और दुनिया के देशों में सबसे अधिक यानी कि विदेशी निवेश में भारत ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी द्वारा 2018 से एशिया पॉवर इंडेक्स जारी करना आरंभ किया है। 2025 में एशिया पॉवर इंडेक्स का सातवां संस्करण जारी किया है। लोवी द्वारा 8 पेरामीटर्स के आधार पर अंक जारी किये जाते हैं।

इसमें सैन्य क्षमता, रक्षा नेटवर्क, आर्थिक शक्ति, अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंध, कूटनीतिक व सांस्कृतिक संबंध, लचीलापन, भविष्य के संसाधन आदि पेरामीटर्स के आधार पर 27 देशों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिन्दूर ने भारत की सैन्य शक्ति और ताकत से दुनिया के देशों को झकझोर कर रख दिया है। सैन्य संसाधनों में आज भारत आत्मनिर्भर होता जा रहा है। इसके साथ ही जिस तरह से भारत की इकोनोमी तेजी से आगे बढ़ती जा रही है उससे दुनिया के देशों में भारत ने अलग ही स्थान अर्जित कर लिया है। भारत में देसी-विदेशी निवेश का जिस तरह का माहौल बना है और जिस तेजी से विपरीत वैश्विक हालातों के बावजूद और यहां तक कि ट्रंप की टैरिफ नीति के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था व विकास का स्तर लगातार बने रहना बड़ी उपलब्धि है।

ऑपरेशन सिन्दूर, आर्थिक क्षेत्र में बढ़ती साख, सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी भारत की ताकत बन गई है। भारत के साथ सबसे बड़ी ताकत स्थिर और कड़े निर्णय लेने में भी सक्षम सरकार होना एक सकारात्मक पक्ष है तो दूसरी और जेन जेड और उसके बाद की जैनरेशन की बड़ी भूमिका हो गई है। आज तकनीकी रुप से भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत युवाओं का देश हो गया है। सैन्य क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, इकोनोमिक क्षमता और प्रौद्योगिकी, डिजिटलाइजेशन, कूटनीतिक और सांस्कृतिक रिलेशन आदि क्षेत्र में भारत ने पिछले साल की तुलना में अधिक अंक अर्जित किये हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत का वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास बढ़ा है और इसी का परिणाम है कि भारत आज आंख से आंख मिलाकर बात करने और आंतरिक व बाहरी निर्णय लेने में सक्षम और स्वतंत्र देश के रुप में उभरा है।

हालांकि भारत के सामने अभी चुनौतियां बहुत है।

सबसे बड़ी चुनौती जो विषय से अलग हटकर है वह है हमारे ही लोगों द्वारा विदेशी मीडिया व विदेशी धरती पर देश की छवि खराब करना।

होना यह चाहिए कि लाख राजनीतिक मतभेदों के बावजूद विदेश की धरती पर एक रहना और एक रहने का संदेश देना जरुरी हो जाता है। रक्षा नेटवर्क को और अधिक विस्तारित करने की चुनौती के साथ ही कूटनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। अमेरिका की ट्रंप की देशी-विदेशी नीति के कारण अमेरिका के अंकों में गिरावट दर्ज की गई है। देखा जाए तो भारत की सैन्य क्षमता के साथ साथ इकोनोमी के क्षेत्र में क्षमता का तेजी से विकास हुआ है। हालांकि रक्षा नेटवर्क के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है।

एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर बनना और तीसरा स्थान बनाना भारत की दुनिया के देषों में बढ़ती साख का परिचायक है। निश्चित रुप से यह बड़ी उपलब्धि है पर अब भारत को इसे बनाये रखने और अन्य पेरामीटर्स के क्षेत्र में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। चुनौतियां बहुत हैं पर चुनौतियों से पार पाते हुए ही कुछ अधिक अर्जित करना बड़ी बात हो जाती है। मेजर पॉवर से सुपर पॉवर बनना बड़ी चुनौती है पर सकारात्मक प्रयासों से सुपर पॉवर बनने के लक्ष्य के साथ ही भारत को आगे बढ़ना होगा।

आर्थिक क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने इसे तीसरे पायदान पर लाने में खासी भूमिका तय की है। भारत आज दुनिया के देशों में बड़ी आर्थिक शक्ति के रुप में उभरा है और दुनिया के देशों में सबसे अधिक यानी कि विदेशी निवेश में भारत ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी द्वारा 2018 से एशिया पॉवर इंडेक्स जारी करना आरंभ किया है। 2025 में एशिया पॉवर इंडेक्स का सातवां संस्करण जारी किया है। लोवी द्वारा 8 पेरामीटर्स के आधार पर अंक जारी किये जाते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मोनाल कप 2025 का शानदार आगाज़, वॉरियर्स और माइटी 11 ने दर्ज की जीत

एजेंसी

देहरादून। देहरादून सचिवालय क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित मोनाल कप 2025 का भव्य शुभारंभ आज महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में हुआ। पहले दिन दो मैच खेले गए। पहले मैच में वॉरियर्स ने हरिकेन को 4 विकेट से और दूसरे मैच में माइटी 11 ने बुल्स को 45 रन से हराया।

पहला मैचः हरिकेन बनाम वॉरियर्स

पहले मुकाबले में हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 142 रन बनाए। रवि ने शानदार 64 रन की पारी खेली, जबकि आशीष ने 30 रन का योगदान दिया। वॉरियर्स की ओर से अशोक ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट, और रोहन सैनी ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स ने 18.3 ओवर में 6 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। राकेश महर ने टीम के लिए सर्वाधिक 40 रन बनाए, जबकि सचिन ने 22 रन जोड़े। हरिकेन की ओर से अनुज चमोली ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अशोक बिष्ट रहे, जिन्होंने मैच में 4 विकेट लिए।दिन के दूसरे मुकाबले में माइटी 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 149 रन बनाए।

भारतीय खेलों के लिहाज से नवंबर महीना रहा सुपरहिट : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा नवंबर माह में हासिल की गई ऐतिहासिक उपलब्धियों की सराहना की। प्रधानमंत्री के अनुसार इस महीने भारतीय खेल जगत ने कई नए मुकाम हासिल किए, जो हर भारतीय को प्रेरित करते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में कहा कि भारतीय खेलों के लिहाज से ये महीना सुपर हिट रहा है। इस महीने की शुरुआत भारतीय महिला टीम द्वारा आईसीसी महिला विश्व कप जीतने से शुरू हुई, लेकिन उसके बाद भी मैदान पर और ज्यादा एक्शन देखने को मिला है। कुछ दिन पहले ही टोक्यो में डेफलिंपिक्स हुए हैं, जहां भारत ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20 पदक जीते हैं। हमारी महिला खिलाड़ियों ने भी कबड्डी वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास ही रच दिया। पूरे टुर्नामेंट में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करके हर भारतवासी का मन जीत लिया। इसी तरह वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में भी हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने 20 पदक जीते।

आयरलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 के लिए शमीम हुसैन बांग्लादेश की टीम में शामिल

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घोषणा की कि शमीम हुसैन को आयरलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए टीम में शामिल किया गया है। सीरीज़ शुरू होने से पहले टी-20 कप्तान लिटन दास ने शमीम को टीम से बाहर रखने पर चयनकर्ताओं पर तंज कसा था, जिसके बाद इस निर्णय ने काफ़ी सुर्खियाँ बटोरी थीं। अब सीरीज़ 1-1 की बराबरी पर है और निर्णायक मुकाबले के लिए शमीम को वापस टीम में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय चयन पैनल के सदस्य और पूर्व तेज़ गेंदबाज़ हसीबुल हुसैन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, 'शमीम कभी भी हमारी योजना से बाहर नहीं थे। हम बस टी-20 विश्व कप से पहले कुछ अन्य विकल्प आज़माना चाहते थे।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी अपनी योजना है, और हम उसी के अनुसार आगे बढ़ना चाहते हैं। ' लिटन कुमार दास (कप्तान), सैफ हसन (उप-कप्तान), तंजिद हसन, परवेज हुसैन, तौहीद ह्रिदॉय, जाकिर अली अनिक, काज़ी नुरुल हसन सोहन, माहिदुल इस्लाम भुइयां, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजिम हसन साकिब, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद शैफ उद्दीन, शमीम हुसैन।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः अभिषेक शर्मा के 148 रन से पंजाब ने बंगाल को रौंदा

नई दिल्ली।अभिषेक शर्मा ने विस्फोटक बल्लेबाज़ी करते हुए सिर्फ 52 गेंदों में 148 रन ठोक दिए, जिसमें 16 छक्के शामिल थे। उनकी स्ट्राइक रेट रही 284.62 की। उनके तूफानी शतक की बदौलत पंजाब ने टी-20 इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर 310 रन खड़ा कर दिया। प्रभसिंरण सिंह (70 रन 35 गेंद), रामनदीप सिंह (39 रन 15 गेंद) और संवीर सिंह (22 रन 8 गेंद) ने भी ताबड़तोड़ योगदान दिया। पंजाब ने अपनी पारी में कुल 28 छक्के लगाए। बंगाल की ओर से मोहम्मद शमी ने 4 ओवर में 61 रन दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगाल 112 रन से हार गया, हालांकि अभिमन्यु ईश्वरन ने 66 गेंदों पर 130 रन की शानदार पारी खेली। अक्षत दीप ने भी 7 गेंदों में 31 रन बनाकर चमक दिखाई, लेकिन टीम जीत से दूर रह गई।

झारखंड बनाम त्रिपुराः ईशान किशन ने 50 गेंदों में नाबाद 113 रन (10 चौके, 8 छक्के) ठोकते हुए झारखंड को 182 रन के लक्ष्य तक 15 गेंदें शेष रहते पहुँचा दिया। विराट सिंह ने भी ईशान के साथ तीसरे विकेट पर 127 रन की साझेदारी निभाते हुए 40 गेंदों पर 53 रन जोड़े। त्रिपुरा की पारी का आधार निचले क्रम की पारियों ने बनाया, जिसमें विजय शंकर (59 रन 41 गेंद) और एम. मुरासिंह (42 रन 21 गेंद) के महत्वपूर्ण योगदान रहे। विकाश सिंह और अनुकूल रॉय ने 2-2 विकेट हासिल किए।चंडीगढ़ के मनन वोहरा ने 48 गेंदों में नाबाद 72 रन बनाकर टीम को 139 रन का लक्ष्य 5 विकेट खोकर दिला दिया।

प्रीमियर लीग 2025-26: 10 खिलाड़ियों वाली चेल्सी ने आर्सेनल को 1-1 से रोका, रोमांचक लंदन डर्बी में अंक बांटे

एजेंसी

लंदन। दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही चेल्सी ने खेले गए बेहद उतार-चढ़ाव भरे लंदन डर्बी मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। मिकेल मेरिनो ने ट्रेवोह चालोबा के शुरुआती गोल का जवाब देकर आर्सेनल को हार से बचाया। इस परिणाम के साथ आर्सेनल 30 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर कायम है और दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से पांच अंक आगे है। वहीं, चेल्सी 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

पहले ही 10 खिलाड़ी रह गई थीं चेल्सी

पहले हाफ में 38वें मिनट में मोइसेस कैइसेडो को वीएआर जांच के बाद मेरिनो पर खतरनाक टैकल के लिए लाल कार्ड मिला, जिससे चेल्सी 10 खिलाड़ियों पर आ गई।

इसके बावजूद चेल्सी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। कप्तान रीस जेम्स की कॉर्नर किक पर ट्रेवोह चालोबा ने तीसरे मिनट में शानदार हेडर के जरिए गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया। 59वें मिनट में बुकॉयो साका के क्रॉस पर मेरिनो ने बेहतरीन हेडर मारकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल ने लगातार दबाव बनाया। सब्स्टीट्यूट मार्टिन ओडेगार्ड दो बार करीब से चूक गए, जबकि अंतिम क्षणों में मेरिनो के शक्तिशाली प्रयास को गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। मैच की शुरुआत से ही जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। रेफरी एंथनी टेलर ने कुल सात पीले कार्ड दिखाए—छह आर्सेनल को और एक चेल्सी के मार्क कुकुरेला को, जो पूरे मैच में साका को रोकने में व्यस्त नजर आए। चेल्सी कप्तान रीस जेम्स ने कहा, 'हम जल्दी ही 10 खिलाड़ी रह गए थे, जिससे मैच मुश्किल हो गया। फिर भी टीम ने दबाव झेला और शानदार काउंटर किए। ' दाहिनी ओर पेड्रो नेटो लगातार सक्रिय रहे, और 78वें मिनट में सब्स्टीट्यूट लियम डेलैप का बढ़िया शॉट डेविड राया ने रोक दिया। मेरिनो ने कहा, 'चेल्सी की डिफेंस बेहद संगठित थी, लेकिन अगर हम और बेहतर होते तो ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते थे।

राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स एंड स्नूकर चैम्पियनशिप में अहयात, आमिर, अनुज और कबीर अगले दौर में

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में आयोजित राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के अहयात अहमद, मोहम्मद आमिर, लखनऊ के अनुज भार्गव और वाराणसी के कबीर करुणिक ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बना ली है। बिशप जॉर्ज स्कूल एंड कॉलेज में शनिवार को प्रतियोगिता के छठवें दिन प्रयागराज के अहयात अहमद ने लखनऊ के अभिषेक गुप्ता को 3-0 से हराया। अहयात ने 59-29 से जीता। अगले फ्रेम में अभिषेक ने अहयात को कुछ टेंशन वाले पल दिए, लेकिन एक रेड कार्ड मिस कर दिया और फिर वापसी नहीं कर सका। अहयात ने फ्रेम 65-22 से जीता। तीसरे फ्रेम में अभिषेक ने धमाकेदार वापसी की और शानदार सेफ्टी खेली, लेकिन आखिर में अहयात ने उसे मात दे दी और उसके 34 के मुकाबले 74 अंक हासिल करके अगले दौर में जगह बना ली। प्रयागराज के आमिर रईस ने वाराणसी के मोहम्मद दाउद को 3-0 से हराया। आमिर ने 23-22, 71-38 और 64-60 से फ्रेम जीता। लखनऊ के पूर्व राज्य चैंपियन अनुज भार्गव ने प्रयागराज के अजहर अमीन को 3-0 से हराया। अनुज ने 65-21, 47-37, 74-10 से तीनों फ्रेम जीते। वाराणसी के कबीर करुणिक ने प्रयागराज के यूसुफ मतलूब को 3-1 से हराया। कबीर पहला फ्रेम 13-63 से हार गए, लेकिन वहां से उन्होंने वापसी की और अगले तीन फ्रेम में 69-58, 67-55, और 63-31 का स्कोर बनाकर मैच जीत लिया।

डुप्लांटिस और मैक्लॉघलिन-लेवरोन बने 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर'

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वीडन के पोल वॉल्ट स्टार मोंडो डुप्लांटिस और अमेरिकी 400 मीटर विश्व चैंपियन सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन को वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया। डुप्लांटिस ने सितंबर में टोक्यो में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने के साथ-साथ इवेंट में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने एक वर्ष में अपने ही विश्व रिकॉर्ड को चार बार तोड़ा और पूरे सीजन में 16 प्रतियोगिताओं में अपराजित रहे।26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना पांचवां लगातार डायमंड लीग खिताब भी जीता। डुप्लांटिस ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, 'मैं आगे भी खुद को बेहतर करने की कोशिश करता रहूंगा। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में मुझे वोट देने वालों को मैं इसी तरह परेशान करता रहूं। यह पुरस्कार मेरे लिए खास है और मैं इसे बेहद संजोकर रखूंगा। ' मैक्लॉघलिन-लेवरोन पिछले दो वर्षों से 400 मीटर और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में अपराजित हैं। टोक्यो

में उनका 47.78 सेकंड का समय 400 मीटर का इतिहास में दूसरा सबसे तेज़ प्रदर्शन था। 26 वर्षीय एथलीट पहली खिलाड़ी बनीं जिन्होंने 400 मीटर फ्लैट और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में विश्व खिताब जीता। इसके अलावा, वे विश्व चैंपियनशिप में अमेरिकी 4×400 मीटर रिले टीम का हिस्सा भी रहीं, जिसने स्वर्ण पदक जीता। पुरस्कार मिलने पर मैक्लॉघलिन-लेवरोन ने कहा, 'यह सम्मान पाकर मैं वास्तव में अभिभूत हूं। विश्व एथलेटिक्स का बहुत धन्यवाद। टोक्यो में सीजन का अंत मेरे लिए बेहद खास रहा। 2025 मेरे लिए सीमाओं को तोड़ने और मानसिक व शारीरिक रूप से खुद को नए स्तर पर ले जाने का साल रहा।

सुल्तान अज़लान शाह कपः रोमांचक फाइनल में बेल्जियम से 1-0 से हारा भारत, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

एजेंसी

मलेशिया।सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 के रोमांचक फाइनल में भारत को कड़े मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा और टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बेल्जियम ने अपने इतिहास में पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। मैच का एकमात्र गोल थिबो स्टॉकब्रोक्स ने 34वें मिनट में किया।

भारत, जिसने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था, बेल्जियम के खिलाफ मिले तीन पेनल्टी कॉर्नर का लाभ नहीं उठा सका। इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर अटैक में सफल रहे जगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय बेल्जियम की मजबूत रक्षा को भेद नहीं पाए। लीग चरण में भी भारत को बेल्जियम ने 3-2 से हराया था और फाइनल में भी वही कहानी दोहराई। मैच में दोनों टीमों ने बेहतरीन रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया। मैनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी, जिन्होंने विश्व स्तरीय टीम बेल्जियम के खिलाफ कड़ी टक्कर दी।

पहला हाफ गोलरहित रहा,

लेकिन इसमें भरपूर ड्रामा देखने को मिला। बेल्जियम ने बेहतर शुरुआत की और गेंद पर अधिक कब्जा जमाए रखा। उनके हमलों ने भारतीय रक्षा को चुनौती दी और भारतीय गोलकीपर ने कुछ अहम बचाव किए। शुरुआती दो PCs को भारत ने सफलतापूर्वक बचाया। भारत को मैच की लय में आने में समय लगा, जबकि बेल्जियम ने मिडफ़ील्ड में दबदबा बनाए रखा। हालांकि बेल्जियम बार-बार सर्कल में घुसने में सफल रहा, लेकिन भारतीय रक्षा ने उन्हें गोल करने से रोके रखा। हाफ टाइम के बाद बेल्जियम ने अपने खेल की तीव्रता बढ़ाई और भारत पर दबाव बनाया। भारत ने हाई प्रेस का सहारा लेते हुए सर्कल एंट्री बढ़ाई, लेकिन बेल्जियम की रक्षा को भेदने में कामयाब नहीं हो सके। इसी बीच 34वें मिनट में स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भारत ने बराबरी हासिल करने के लिए लगातार हमले किए, लेकिन बेल्जियम की मजबूत संरचना और समय प्रबंधन ने उन्हें मौका नहीं दिया। अंततः बेल्जियम ने 1-0 की जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

कोहली के शतक और कुलदीप के धमाल से भारत ने पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया

एजेंसी

रांची। विराट कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित शर्मा व केएल राहुल के अर्धशतकों के बाद कुलदीप यादव की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने सीरीज़ के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैचों की वन डे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 350 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने शुरुआती तीन विकेट सिर्फ 7 रन पर खो दिए, लेकिन मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को यानसन और कॉर्बिन बॉश ने भारत को अंत तक दबाव में रखा।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल ने पहली ही गेंद पर चौका लगाया, लेकिन नांद्रे बर्गर ने उन्हें जल्द ही पवेलियन भेज दिया। रोहित शर्मा को भी जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। रोहित और कोहली ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में 80 रन जोड़े और जल्द ही शतकीय साझेदारी भी

पूरी हुई। इस दौरान रोहित (57) ने वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने अपनी लय बनाए रखी और 135 रन की बेहतरीन पारी खेली। राहुल (60) ने अंत में तेजी से रन जोड़ते हुए भारत को 349/8 तक पहुंचाया। कॉर्बिन बॉश ने आखिरी ओवरों में शानदार गेंदबाज़ी कर भारत को 350 तक पहुंचने से रोक दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। हर्षित राणा ने पहली ही ओवर में रयान रिकेलटन और क्विंटन डी कॉक को आउट किया, जबकि अर्शदीप सिंह ने कप्तान एडेन मार्करम को चलता किया। लेकिन ब्रीट्ज़के और टोनी डी ज़ोरज़ी ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए टीम की वापसी कराई। कुलदीप यादव ने आते ही डी ज़ोरज़ी को एलबीडब्ल्यू कर भारत को राहत दिलाई। डेवाल्ड ब्रेविस ने भी ताबड़तोड़ छक्के लगाए, लेकिन उनकी आक्रामकता ही उनके आउट होने का कारण बनी। जब लग रहा था कि मैच भारत की पकड़ में है, तभी मार्को यानसन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ते हुए भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। कुलदीप ने एक ही ओवर में यानसन और ब्रीट्ज़के दोनों को आउट कर मैच पलटा, लेकिन कॉर्बिन बॉश ने संघर्ष जारी रखा। बॉश ने धुआंधार 67 रन ठोककर मैच को आखिरी ओवर तक रोमांचक बनाए रखा।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप का आगाज, भारत का पहला मैच नामीबिया से

एजेंसी

सैंटियागो (चिली)। एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप सैंटियागो 2025 का आगाज एक दिसंबर से होगा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपने पहले मुकाबले में नामीबिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। कप्तान ज्योति सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम प्रतियोगिता से एक सप्ताह पहले ही सैंटियागो पहुंच गई है। इस बार विश्व कप में पहली बार 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जबकि 2023 तक यह टूर्नामेंट 16 टीमों के प्रारूप में खेला जाता था। कप्तान ज्योति सिंह ने टीम की तैयारियों पर विश्वास जताते हुए कहा, 'हम एक हफ्ता पहले यहां पहुंचे थे,

ताकि बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। टीम ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया है और मनोबल काफी ऊंचा है। हमारा पहला मैच नामीबिया से है और हम शुरुआत से ही मजबूत लय बनाना चाहते हैं। सभी खिलाड़ी योजनाओं को अमल में लाने के लिए उत्सुक हैं और हम हर मैच पर फोकस रखते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। '

सैयद मोदी इंटरनेशनल 2025: ट्रीसा-गायत्री ने बरकरार रखा महिला युगल खिताब, श्रीकांत खिताब से चूके

एजेंसी

लखनऊ। सैयद मोदी इंडिया वर्ल्ड टूर सुपर 200 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को मिला-जुला दिन देखने को मिला। ट्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए लगातार दूसरे वर्ष महिला युगल का खिताब जीता, जबकि किदांबी श्रीकांत एक बार फिर अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब से बेहद करीब आकर चूक गए।

किदांबी श्रीकांत ने फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावान के खिलाफ 21-16, 8-21, 22-20 से मैच गंवा दिया। तीन मुकाबलों में यह गुनावान की श्रीकांत पर पहली जीत रही। पहले गेम में गुनावान ने अपनी शक्ति और गति का बेहतरीन इस्तेमाल किया, वहीं श्रीकांत लय तलाशने में जुटे रहे। दूसरे गेम में श्रीकांत अनुभवी अंदाज में खेले—बेहतर प्लेसमेंट, नेट पर छलावा और ऊर्जा बचाते हुए 21-8 से जीत हासिल की। निर्णायक गेम में श्रीकांत ने 14-11 और 17-14 की बढ़त बनाई, लेकिन गुनावान ने जोरदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

ट्रीसा-गायत्री की शानदार वापसी

महिला युगल फाइनल में ट्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने जापान की काहो ओसावा और माई तानाबे को 17-21, 21-13, 21-15 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा।

शुरुआत में भारतीय जोड़ी रक्षात्मक कमज़ोरियों और अनफोर्स्ड एरर्स के कारण संघर्ष करती दिखी। लेकिन दूसरे गेम से उन्होंने अपना खेल पूरी तरह बदल दिया—गति बढ़ाई, तेज़ रिटर्न्स किए और विशेष रूप से ट्रीसा ने बैक कोर्ट से बेहतरीन स्मैश लगाए, जबकि गायत्री नेट पर मजबूत रहीं। बढ़ती रफ्तार से जापानी जोड़ी दबाव में आ गई और भारतीयों ने शानदार जीत दर्ज की।

अन्य परिणाम (फाइनल)

पुरुष एकलः जेसन गुनावान (हांगकांग) ने किदांबी श्रीकांत को 21-16, 8-21, 22-20 से हराया

पुरुष युगलः खाई ज़िंग कांग/एरन ताई (मलेशिया) ने वीजिए चिया/शेंग हाओ ल्वी (मलेशिया) को 21-9, 21-19 से हराया

महिला एकलः नेस्लीहान हिना अकेची (जापान) ने अरिन (तुर्की) को 21-16, 21-14 से हराया

महिला युगलः ट्रीसा जोली/गायत्री गोपीचंद ने काहो ओसावा/माई तानाबे (जापान) को 17-21, 21-13, 21-15 से हराया

मिश्रित युगलः देजान फर्डिनान्स्याह/बर्नाडिन वार्डाना (इंडोनेशिया) ने पाक्कापोन तीरारत्साकुल/सपसिरी ताएराttानाचै (थाईलैंड) को 21-19, 21-16 से हराया।

केआईयूजी 2025 : शूटर आशी चोकसी ने सिफ्त कौर समरा को हराकर जीता लगातार चौथा स्वर्ण

एजेंसी

जयपुर। कपूरथला की स्टार शूटर और ओलंपियन आशी चोकसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी साथी खिलाड़ी सिफ्त कौर समरा को हराकर लगातार चौथा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जयपुर के जगतपुरा शूटिंग रेंज में खेले गए 50 मीटर राइफल 3-पोज़िशन फाइनल में आशी ने 462.3 अंक हासिल किए और शुरू से अंत तक बढ़त बरकरार रखी।

फाइनल के अंतिम चार शॉट से पहले वह चार अंकों से आगे थीं। कुछ कमजोर शॉट्स के बावजूद उनकी जीत सुनिश्चित रही। आशी ने कहा, 'मैं स्कोर पर ध्यान नहीं दे रही थी। पिछले तीन वर्षों से केआईयूजी में गोल्ड जीत रही हूँ, इस बार भी वही लक्ष्य था—इसलिए सिर्फ शूटिंग पर फोकस रखा। ' इसके साथ ही गुरु नानक देव विश्वविद्यालय ने 10

मीटर एयर पिस्टल टीम गोल्ड और महिलाओं की कीरिन रेस में निया सेबास्टियन के स्वर्ण के दम पर अपनी कुल स्वर्ण संख्या 30 तक पहुंचाई।

साइकलिंगः फ्रैक्चर के बावजूद सिद्धि शिर्के का कमाल

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की सिद्धि शिर्के ने दाएं हाथ में हालिया फ्रैक्चर के बाद भी साहसिक प्रदर्शन करते हुए महिला प्वाइंट रेस में स्वर्ण पदक जीता। सिद्धि ने बताया, 'एक महीने पहले ट्रेनिंग के दौरान सड़क हादसे में फ्रैक्चर हुआ था। दर्द और कम मोबिलिटी के बावजूद गोल्ड जीतकर खुशी है। '

पुरुषों की के प्वाइंट रेस में केरल विश्वविद्यालय के अद्वैत शंकर एसएस ने स्वर्ण जीता, जबकि कीरिन में सावित्री बाई कॉलेज के मंगेश ताकमोगे ने पहला स्थान हासिल किया।

आंद्रे रसेल ने आईपीएल करियर को कहा अलविदा, केकेआर सपोर्ट स्टाफ से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 ऑक्शन से ठीक पहले वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने भारतीय लीग से संन्यास की घोषणा कर सभी को चौंका दिया है। 37 वर्षीय रसेल को हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रिलीज किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के ज़रिए साफ कर दिया कि वे अब किसी और फ्रेंचाइज़ी के लिए नहीं खेलेंगे और आगामी सीजन में केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में एक 'पावर कोच' के रूप में जुड़ेंगे। रसेल ने अपने बयान में कहा, 'आईपीएल में मेरे कुछ शानदार पल और यादें रही हैं—छक्के लगाना, मैच जिताना, मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर बनना। यह फैसला मेरे लिए सही समय पर लिया गया फैसला है। मैं फैंस के यह कहने पर जाना चाहता हूं कि 'क्यों? आप अभी और खेल सकते थे,' न कि इस पर कि 'आपको सालों पहले ही संन्यास ले लेना चाहिए था।' रसेल का आईपीएल रिकॉर्ड किसी भी दिग्गज से कम नहीं है। उन्होंने 140 मैच खेले और 174.18 की स्ट्राइक रेट से 2651 रन बनाए। इसके अलावा उनके नाम 123 विकेट भी हैं, जिसमें 5/15 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनके नाम दो आईपीएल खिताब (2014, 2024) हैं और दो बार आईपीएल मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर (2015, 2019) बने हैं। उन्होंने 223 छक्के लगाए हैं और इस मामले में ऑल-टाइम लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं।

प्रीमियर लीग 2025-26: इसाक ने खत्म किया गोल का सूखा, लिवरपूल को दिलाई अहम जीत

एजेंसी

लंदन। लिवरपूल के रिकॉर्ड साइनिंग अलेक्ज़ेंडर इसाक ने आखिरकार प्रीमियर लीग में अपना गोल खाता खोला और संघर्ष कर रही चैंपियन टीम को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 2-0 की बेहद जरूरी जीत दिलाई।

लगातार खराब फॉर्म से जूझ रही लिवरपूल टीम पिछले 12 मैचों में 9 हार झेल चुकी थी। दबाव में घिरे मैनेजर अरने स्लॉट ने बड़ा फैसला लेते हुए पहली बार प्रीमियर लीग में मोहम्मद सालाह को शुरुआती एकादश से बाहर रखा। उनकी जगह उतरे फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने अच्छी लय दिखाई, हालांकि पहले हाफ में एक आसान मौका गंवा बैठे, जिसे गोलकीपर अल्फोंस अरेओला ने बचा लिया। पहले हाफ में इसाक भी दो मौके चूक गए, पर दूसरे हाफ के 60वें मिनट में कोडी गाक्पो की शानदार पुल-बैक पास पर उन्होंने शांत दिमाग से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वेस्ट हैम की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब लुकास पाक्वेटा को महज 60 सेकंड के भीतर दो बार ड्ढ्ढह्यह्यद्गठ्ठ के लिए पीला कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया। इंजरी टाइम में गाक्पो ने दूसरा गोल दागकर लिवरपूल की जीत पक्की की। इस जीत के साथ लिवरपूल 13 मैचों में 21 अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट हैम 11 अंकों के साथ 17वें स्थान पर है।

एस्टन विलाः कैमारा का शानदार गोल, वॉल्व्स पर 1-0 की जीत

एस्टन विला ने बोउबकर कैमारा के शानदार गोल की बदौलत वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 1-0 से हराकर अंकतालिका में तीसरा स्थान हासिल कर

लिया। पहले हाफ में वॉल्व्स ने अधिक मौके बनाए और जोर्गेन स्ट्रैंड लार्सन का गोल ऑफसाइड करार दिया गया। वहीं, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज की शानदार सेव से विला बचता रहा।

दूसरे हाफ में विला ने रफ्तार पकड़ी और 67वें मिनट में कैमारा ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर गेंद को टॉप कॉर्नर में पहुंचाया। विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत है और अब वे दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं। वॉल्व्स की स्थिति और बिगड़ गई है और टीम सिर्फ 2 अंकों के साथ सबसे नीचे है। ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। शुरुआत से ही ब्राइटन ने तेज खेल दिखाया और पहले हाफ में ही 13 शॉट लिए। पहला गोल हाफ टाइम से ठीक पहले हुआ जब जॉर्जिनियो रुटर ने शानदार क्रॉस देते हुए डे क्यूपर को ढूंढ निकाला। बेल्जियन डिफेंडर ने गेंद को आसानी से नेट में पहुंचाया। मैच के 88वें मिनट में युवा ग्रीक खिलाड़ी स्तेफानोस त्ज़िमास ने फॉरेस्ट डिफेंडर मोराटो की खराब बैक-हेडर का फायदा उठाते हुए दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित कर दी। फॉरेस्ट, जिसने पिछले दो मैच जीते थे—जिसमें लिवरपूल पर 3-0 की बड़ी जीत भी शामिल थी—इस मैच में प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सका और अब 12 अंकों के साथ 16वें स्थान पर है। ब्राइटन के 22 अंक हैं और टीम चौथे स्थान पर मौजूद चेल्सी से सिर्फ एक अंक पीछे है, जिसके पास एक मैच शेष है।

एसबीआई की रिपोर्टः बैंकों के लिए खुशखबरी! कंपनियों के आईपीओ का पैसा खत्म, अब फिर बढ़ेगी लोन की रफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर के लिए एक अच्छी खबर है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक नई रिपोर्ट आई है जो कहती है कि बैंकों का लोन बांटना जो पिछले कुछ समय से थोड़ा धीमा पड़ गया था, अब फिर से तेजी पकड़ने वाला है। रिपोर्ट का कहना है कि जैसे-जैसे कंपनियों को अपने रोज़मर्रा के काम-काज के लिए पैसों की ज़रूरत पड़ेगी, लोन की मांग भी बढ़ेगी। एसबीआई ने साफ किया है कि हाल ही में लोन की मांग में जो कमी आई थी, वो कोई बड़ी परेशानी नहीं थी, बल्कि बस कुछ समय की बात थी। इसका सबसे बड़ा कारण था शेयर बाजार में आईपीओ की बाढ़! ढेर सारी कंपनियों ने आईपीओ लाकर बाज़ार से खूब पैसा उठा लिया। जब जेब में आईपीओ का सस्ता पैसा आ गया, तो कंपनियों ने सोचा, 'बैंक से लोन लेकर ब्याज क्यों भरें उन्होंने उसी पैसे से अपने काम निपटा लिए और पुराने लोन भी चुका दिए। इसी वजह से बैंकों का धंधा थोड़ा मंदा हो गया था। एसबीआई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 'वो आईपीओ वाला पैसा अब लगभग खर्च हो चुका है, तो अब कंपनियों को फिर से बैंकों के दरवाजे खटखटाने ही पड़ेंगे!

यूपीआई से नवंबर में 24.58 लाख करोड़ रुपये के 19 अरब से अधिक हुए लेनदेन, 23 प्रतिशत बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपीआई से लेनदेन की रफ्तार जारी है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के मुताबिक, 28 नवंबर तक यूपीआई से 24.58 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 19 अरब से अधिक लेनदेन हुए। पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21.55 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 15.48 अरब लेनदेन दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल नवंबर में यूपीआई लेनदेन की संख्या 2024 के समान माह की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत बढ़ी। इस दौरान लेनदेन मूल्य में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नवंबर 2023 की तुलना में यह वृद्धि 70 प्रतिशत और 41 प्रतिशत से भी अधिक रही। एनपीसीआई के आंकड़े पिछले पांच वर्षों में लगातार वृद्धि दर्शाते हैं। नवंबर 2021 में, यूपीआई से 7.68 लाख करोड़ के केवल 4.18 अरब लेनदेन हुए। नवंबर, 2022 तक यह संख्या लगभग दोगुनी हो गई। पांच वर्षों का रुझान इस परिवर्तन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। 2021 से 2025 तक यूपीआई के लेनदेन की संख्या चार गुना से अधिक बढ़ गई है। कुल मूल्य तीन गुना से अधिक बढ़ गया है।

पैन कार्ड-आधार लिंक करने की डेडलाइन इस महीने खत्म हो रही

नई दिल्ली। इस बार दिसंबर के महीने में 6 बड़े बदलाव हो रहे हैं। इनमें आधार-पैन लिंकिंग डेडलाइन से लेकर तय तारीख के बाद भरे जाने वाले ITR की आखिरी तारीख और SBI mCASH सर्विस बंद होना भी शामिल है। इसके अलावा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 10.50 रुपए तक घटा दिए हैं। वहीं RBI अपनी MPC मीटिंग में ब्याज दर 0.25फीसदी घटाकर 5.25फीसदी कर सकती है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने PAN को आधार से लिंक करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2025 तय की है। ये नियम उन लोगों पर लागू है, जिन्हें 1 अक्टूबर 2024 से पहले आधार एनरोलमेंट ID से PAN जारी हुआ था। अगर आप समय पर लिंकिंग नहीं करवाते हैं, तो आपका PAN डी-एक्टिव हो जाएगा। इसका असर ITR फाइलिंग, बैंक KYC, लोन लेने और सरकारी सब्सिडी पर पड़ेगा। क्या करें? आज ही इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर लिंकिंग पूरी करें। प्रक्रिया आसान है - PAN नंबर, आधार नंबर और OTP से हो जाती है। जुर्माना भी जमा करना होगा।

इस महीने देशभर में 18 दिन बैंक बंद रहेंगे

नई दिल्ली। दिसंबर में अलग-अलग राज्यों में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे। RBI कैलेंडर के अनुसार, इस महीने 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 12 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों को ध्यान में रखना चाहिए।

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग (PI, IMPS, NEFT, RTGS) और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

शेयर मार्केट में भी 9 दिन बंद रहेगी ट्रेडिंग

शेयर बाजार में दिसंबर में 9 दिन ट्रेडिंग नहीं होगी। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार 4 रविवार और 4 शनिवार के अलावा 25 दिसंबर को क्रिसमस पर भी ट्रेडिंग बंद रहेगी।

टॉप 10 कंपनियों मे से 7 के मार्केट कैप में हुई बढ़ोतरी, रिलायंस देश की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 96 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस रहीं। दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में से 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे ज्यादा नुकसान का सामना भारती एयरटेल को करना पड़ा। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारतीय

जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 43,998.57 करोड़ रुपये की कमी हो गई। 24 से 28 नवंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 28,282.86 करोड़ रुपये की छलांग लगाकर 21,20,335.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 20,347.52 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 6,45,676.11 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 13,611.11 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,48,743.67 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 13,599.62 करोड़ रुपये उछल कर 9,92,725.97 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 7,671.41 करोड़ रुपये उछल कर 5,79,644.16 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 6,415.28 करोड़ रुपये की छलांग लगा कर 9,04,185.15 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 6,273.15 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 6,47,961.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

दूसरी ओर, पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद भारती एयरटेल का मार्केट कैप 35,239.01 करोड़ रुपये फिसल कर 11,98,040.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 4,996.75 करोड़ रुपये घट कर 5,65,581.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 3,762.81 करोड़ रुपये कम होकर 11,35,952.85 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 21,20,335.47 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

कमर्शियल सिलेंडर 10 रुपये हुआ सस्ता, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। साल के आखिरी महीने के पहले दिन राहत देने वाली खबर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 10 रुपये तक की कटौती की है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल गैस की नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, कमर्शियल गैस के दाम में इस कटौती के साथ ही नई दिल्ली में अब 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घटकर 1580.50 रुपये हो गई है, जो पहले 1590.50 रुपये प्रति सिलेंडर थी। कोलकाता में अब कमर्शियल गैस

सिलेंडर 1694 रुपये से घटकर 1684 रुपये में मिलेगा। वहीं, मुंबई में इसकी कीमत 1542 रुपये से घटकर 1531.50 रुपये पर पहुंच गई है, जबकि चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर के दाम 1750 रुपये से कम होकर 1739.50 रुपये हो गई है। उल्लेखनीय है कि घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने नहीं किया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये ही है। मुंबई में यह 852.50 रुपये, लखनऊ में 890.50 रुपये प्रति सिलेंडर, करगिल में 985.50 रुपये, पुलवामा में 969 रुपये और बागेश्वर में 890.50 रुपये में मिल रहा है।

घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी का रुख बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी का रुख बना है। सोना आज 1,240 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 8,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,820 रुपये से लेकर 1,29,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,19,000 रुपये से लेकर 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 3,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह जबरदस्त तेजी आई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 21,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,970 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,29,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

तंबाकू, पान मसाला पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेने वाले विधेयक लोकसभा में होंगे पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति उपकर खत्म होने के बाद भी तंबाकू, पान मसाला और अन्य हानिकारक वस्तुओं पर कुल कर भार समान बनाए रखने के लिए दो विधेयक को लोकसभा में पेश कर सकती है। इन विधेयक के जरिए जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की जगह नया उपकर लगाया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 तथा स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। इसको केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी। इन विधेयकों के जरिए सरकार मौजूदा जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को बदलकर नई टैक्स व्यवस्था लागू करना चाहती है, ताकि टैक्स की कुल राशि पहले जैसी बनी रहे। जानकारों के मुताबिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक, 2025 के तहत सिगरेट सहित विभिन्न तंबाकू उत्पादों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा,

उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा, जो तंबाकू पर लगाए जा रहे जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेगा। वहीं, 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले मुआवजा उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला पर 28 फीसदी का जीएसटी लगाया जाता है और इसके साथ ही अलग-अलग दरों पर मुआवजा उपकर भी वसूला जाता है।

खादी की असली ताकत इसके कारीगरों में है : मनोज कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा, 'खादी की असली ताकत इसके कारीगरों में है।' कुमार ने कहा कि खादी युवा पीढ़ी की पहली पसंद बन गई है और यह रोज़गार सृजन, पर्यावरणीय अनुकूलता और देश की आत्मनिर्भरता की यात्रा से जुड़ी हुई है। आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने केवीआईसी के नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित नवयुग खादी फैशन शो को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने रैंप पर प्रदर्शित परिधानों की सराहना की और खादी के कारीगरों के समर्पण एवं शिल्प कौशल की प्रशंसा की। मनोज ने कहा कि नए जमाने की खादी डिज़ाइन, तकनीक और परंपरा का एक अनूठा संगम है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने अपने संबोधन में खादी को नया जीवन देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने खादी को महज एक कपड़े से ऊपर उठाकर देशभक्ति के प्रतीक के साथ-साथ आधुनिक भारतीय जीवनशैली का प्रतीक बना दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शक मंत्र -खादी राष्ट्र के लिए, खादी फैशन के लिए और खादी परिवर्तन के लिए को दोहराया। इसने खादी को एक नई पहचान दी है।

उन्होंने कहा, आज की खादी न केवल पूज्य बापू की विरासत को आगे बढ़ा रही है बल्कि आधुनिक डिजाइन और वैश्विक फ़ैशन में भी तेजी से अपनी जगह बना रही है। खादी अब केवल गांवों तक सीमित नहीं रही, शहरों, फ़ैशन बाजारों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है।

मनोज कुमार ने कहा कि नए ज़माने की खादी डिजाइन, तकनीक और परंपरा का एक अनूठा संगम है। उन्होंने कहा कि खादी युवा पीढ़ी की पहली पसंद बन गई है और यह रोज़गार सृजन, पर्यावरणीय अनुकूलता और देश की आत्मनिर्भरता की यात्रा से जुड़ी हुई है। यह कार्यक्रम केवीआईसी, खादी उत्कृष्टता केंद्र (सीओईके), राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) और भारतीय फैशन डिज़ाइन परिषद (एफडीसीआइ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। रैंप पर खादी परिधानों और उत्पादों की विविध श्रृंखला प्रदर्शित की गई। इसे दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। विशेष रूप से प्रेरक क्षण तब आया जब देश भर से खादी संस्थानों और कारीगरों के प्रतिनिधियों ने रैंप पर वॉक किया। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार भी कारीगरों के साथ शामिल हुए। इससे यह संदेश गया कि खादी की असली ताकत उसके बुनकरों और निर्माताओं में निहित है, जो गांव से ग्लैमर तक की यात्रा का एक सशक्त अभिव्यक्ति है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि नवयुग खादी फैशन शो का आयोजन यहां शनिवार, 29 नवंबर को राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी, प्रगति मैदान में किया गया। इस शो में नए भारत की नई खादी को आधुनिक और नए तरीके से प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एमएसएमई मंत्रालय के संयुक्त सचिव (ए एंड आरई), एमएसएमई मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार और केवीआईसी के वित्तीय सलाहकार, सीओईके के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार थे। इस शो में नए भारत की नई खादी को आधुनिक और नए तरीके से प्रस्तुत किया गया।

रेपो दर में कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगले सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। रेपो दर वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। एमपीसी की बैठक 03 से 05 दिसंबर को होने वाली है। इससे पहले अक्टूबर को हुई बैठक में रेपो तथा अन्य नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पिछली बार आरबीआई गर्वनर ने कहा था कि मुद्रास्फीति की कम दरों को देखते हुए रेपो दरों में कटौती की गुंजाइश है, लेकिन केंद्रीय बैंक और आंकड़ों का इंतजार करेगा। वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गयी कटौती तथा अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर उच्च आयात के प्रभाव को देखना चाहेगा। इन दोनों ही मोर्चों पर आंकड़े काफी अच्छे आये हैं। अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है जिसने विशेषज्ञों को भी चौंका दिया है। साथ ही खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर में 0.25 प्रतिशत पर रही जो 13 साल में सबसे कम है। इस प्रकार सभी कारक ब्याज दरों में कटौती का समर्थन कर रहे हैं।

स्वयं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री भी हाल ही में उद्योग मंडल फिक्की की बैठक में संकेत दे चुके हैं कि आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इसके अलावा, लगभग सभी प्रमुख रेटिंग एजेंसियों की राय है कि मौजूदा वित्त वर्ष में कम से कम एक बार और रेपो दर घटाये जायेंगे। कम मुद्रास्फीति के कारण लोगों के पास व्यय योग्य आय अधिक हो गयी है। दूसरी तरफ, व्यक्तिगत आयकर में छूट की सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने और जीएसटी की दरों में कटौती से सरकारी राजस्व को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए यह जरूरी है कि लोग अधिक खर्च करें। इसलिए ब्याज दरों में कटौती जरूरी है।

साप्ताहिक समीक्षा : लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता और रुपये में गिरावट की वजह से शेयर बाजार पर दबाव भी बना रहा। दूसरी ओर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, पॉजिटिव ग्लोबल मार्केट और रूस तथा यूक्रेन के बीच सीजफायर की उम्मीद की वजह से बाजार को लगातार सपोर्ट भी मिलता रहा। इस सपोर्ट के कारण 28 नवंबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 474.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,706.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद 134.80 अंक यानी 0.51 प्रतिशत उछल कर 26,202.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल वरुण बेवरेजेस, हिंदुस्तान जिंक, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, वेदांता, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी और केनरा बैंक के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, अदानी एंटरप्राइजेज और सिमेंस एनर्जी इंडिया के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप इंडेक्स की तरह ही बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद 1.20 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल इनवेंचर्स नॉलेज सॉल्यूशंस, आदित्य बिरला कैपिटल, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, अशोक लीलैंड, कोफोर्ज और एलएंडटी फाइनेंस के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, केएंस टेक्नोलॉजी इंडिया, वर्लपूल ऑफ इंडिया, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस, दीपक नाइट्राइट और टाटा कम्युनिकेशंस के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल जेएसडब्ल्यू होल्डिंग्स, फिशर मेडिकल वेंचर्स, बेस्ट एग्रोलाइफ, 63 मूंस टेक्नोलॉजीज, बिग ब्लॉक कंस्ट्रक्शन, हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स, नेक्टर लाइफसाइंसेज, वीएलएस फाइनेंस, स्पेक्ट्रम इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज और लूमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज के शेयर साप्ताहिक आधार पर 15 से 34 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, ऑल कार्गो लॉजिस्टिक्स, ओसवाल पंप्स, एंटेलोपस सेलन एनर्जी, मैगेलैनिक क्लाउड, वीटीएम, ट्रांसफॉमर्स एंड रेक्टिफायर्स इंडिया, अपेक्स फ्रोजन फूड्स, स्टेलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, चेन्नई पैट्रोलियम कॉरपोरेशन, केरनेक्स माइक्रो सिस्टम्स (इंडिया), वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग और ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस के शेयर 10 से 51 प्रतिशत तक की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए।

मुंबई रियल एस्टेट ने तोड़ा दशक का रिकॉर्ड, नवंबर में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन में 20फीसदी उछाल

एजेंसी

मुंबई। मुंबई का रियल एस्टेट बाजार नवंबर 2025 में एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करता दिखा। महाराष्ट्र इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, शहर में इस महीने 12,219 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए, जो पिछले साल के नवंबर की तुलना में 20फीसदी अधिक हैं। इसके साथ ही, स्टांप ड्यूटी कलेक्शन 1,038 करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो 12फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। विशेषज्ञ इस वृद्धि को खरीदारों के स्थिर भरोसे, नई परियोजनाओं की बढ़ती संख्या और बेहतर क्वालिटी हाउसिंग की मांग का नतीजा मान रहे हैं। नवंबर 2025 को मुंबई के रियल एस्टेट के लिए 2013 के बाद का सबसे मजबूत नवंबर बताया जा रहा है। कुल रजिस्ट्रेशनों में से लगभग

80फीसदी घरों से जुड़े थे, जिससे पता चलता है कि मिड-रेंज और प्रीमियम सेगमेंट में मांग लगातार बढ़ रही है। साल के पहले 11 महीनों में मुंबई ने 1,35,807 से अधिक प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए, जिससे राज्य सरकार को 12,224 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन शिशिर बैजल के अनुसार, 20फीसदी की बढ़ोतरी ने यह साबित किया है कि मांग सभी सेगमेंट में मजबूत है और खरीदार अब उच्च मूल्य श्रेणी के घरों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

मस्क बोले- इंडियन टैलेंट से अमेरिका को बहुत फायदाः

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जीरोधा के फाउंडर निखिल कामत ने दुनिया के सबसे अमीर इंसान इलॉन मस्क के साथ किए पॉडकास्ट इंटरव्यू को यूट्यूब पर अपलोड कर दिया है। इस इंटरव्यू में मस्क ने AI, काम का भविष्य, स्टारलिंक, इमिग्रेशन, पॉपुलेशन और ङ्ग जैसे मुद्दों पर खुलकर बातें कीं। मस्क का कहना है कि आने वाले 10-20 साल में AI और रोबोटिक्स इतनी तेजी से बढ़ेंगे कि इंसानों के लिए काम करना जरूरी नहीं रहेगा। इसी बातचीत में उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इंडियन टैलेंट का सबसे ज्यादा फायदा उठाया है और H-vB पर राजनीति होने से टैलेंट फ्लो भी प्रभावित हो रहा है। मेरा प्रिडिक्शन है कि 10-20 साल में काम एक ऑप्शन बन जाएगा। लोग चाहें तो काम करें, चाहें तो ना करें।AI इतनी प्रोडक्टिविटी पैदा कर देगा कि ज्यादातर जरूरतें रोबोट्स और मशीन खुद पूरी कर देंगी। ढ्ढ और रोबोट्स एक तरह की सुपरसोनिक सुनामी की तरह आगे बढ़ रहे हैं। कुछ ही सालों में दुनिया में जो गुड्स और सर्विस बनेंगे, वह मनी सप्लाई की ग्रोथ से ज्यादा होंगे। यानी सामान ज्यादा होगा, कीमतें कम होंगी। यहीAI-ड्रिवन इकोनॉमी लाएगी स्टारलिंक में हजारों सैटेलाइट्स हैं जो 550 किलोमीटर की लो-अर्थ ऑर्बिट में चलते हैं। सभी सैटेलाइट्स लेजर लिंक से जुड़े हैं। भारत में जहां बड़े हिस्से में ब्रॉडबैंड नहीं पहुंचा, वहां स्टारलिंक की रियल वैल्यू सबसे ज्यादा है।

अगले सप्ताह खुलेंगे 12 नए आईपीओ, छह कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह ई-कॉमर्स कंपनी मीशो समेत 12 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से 3 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष 9 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच हुए 3 आईपीओ में भी 2 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो छह कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के पहले दिन 1 दिसंबर को क्लीय सिक्योर्ड का 85.60 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 3 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 125 रुपये से लेकर 132 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 8 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन स्पेब एडहेसिव्स का 33.73 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 3 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 52 रुपये से लेकर 56 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 8 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 1 दिसंबर को ही इनविक्टा डायग्नोस्टिक्स का 28.12 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 3 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 80 रुपये से लेकर 85 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 8 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इनके अलावा रेवेलकेयर का 24.10 करोड़ रुपये का आईपीओ भी इसी दिन सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 3 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 123 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 8 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन एस्ट्रॉन मल्टीग्रेन का 18.40 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 3 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 63 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 8 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के अगले कारोबारी दिन 2 दिसंबर को न्यूकेम बायो का 44.97 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 4 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 93 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 9 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन हेलो जी हॉलीडेज का 10.96 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 4 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये से लेकर 118 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 9 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

नेपाल में फिर आया भूकंप, तीव्रता इतनी कि घरों से निकले लोग

एजेंसी

बझांग। नेपाल के बझांग जिले में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल खबर नहीं है। पड़ोसी देश नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के बझांग जिले में यानी 30 नवंबर को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। इस कारण लोग अपने-अपने घर से बाहर निकल गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र बझांग जिले में साइपाल पर्वत था। एनईएमआरसी ने बताया कि भूकंप के झटके पश्चिमी प्रांत के बाजुरा सहित पड़ोसी जिलों में रहने वाले लोगों ने महसूस किए। नेपाल सर्वाधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र चार और पांच) में स्थित है। इसके कारण यह भूकंप के प्रति अत्यंत संवेदनशील है और यहां प्रत्येक वर्ष कई बार भूकंप आते हैं।

मध्य मेक्सिको में बार में गोलीबारी में छह लोगों की मौत, कम से कम 10 घायल

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के हिडाल्गो राज्य के तुला शहर में अज्ञात लोगों के एक बार पर किये गये हमले में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम दस घायल हो गये। सरकारी टेलीविजन प्रसारक 'फॉर्मूला' ने यह जानकारी दी है। प्रसारक ने देर रात बताया कि चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायलों को गंभीर हालत में तुला और पास के शहर टेपेजी के अस्पतालों में ले जाया गया जहां कुछ ही देर बाद उनकी भी मौत हो गयी।प्राप्त जानकारी के अनुसार बंदूकधारियों का एक समूह दो पिकअप ट्रकों में ला रेसाका नाइट क्लब पहुँचा और बार में मौजूद लोगों पर गोलीबारी शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में कई लोगों को छिपने का मौका नहीं मिला, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 10 लोग गोली लगने से घायल हो गए। हमलावर कथित तौर पर घटनास्थल से किसी अज्ञात दिशा में भाग गए। अधिकारियों ने आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है।

आयु सीमा बढ़ाने के बाद चीन में प्रशासनिक सेवा परीक्षा आयोजित

बीजिंग। चीन ने पात्रता की आयु सीमा 35 से बढ़ाकर 38 साल तक बढ़ाने के बाद पहली बार अपनी राष्ट्रीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा आयोजित की। देश के केंद्रीय प्रशासन और उसकी शाखाओं में जगह पाने के लिए 37 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी इस परीक्षा में हिस्सा ले रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हर एक पद के लिए 98 से ज्यादा अभ्यर्थी अपना दांव पेश कर रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, करीब 70 प्रतिशत पद हाल ही में स्नातक करने वाले अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित हैं। चीन ने इस परीक्षा के लिए उम्र सीमा 35 से बढ़ाकर 38 साल तक कर दी है। सरकार के इस कदम का स्वागत किया जा रहा है। स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वालों के लिए परीक्षा की उम्र 43 साल तक बढ़ा दी गयी है।

'संघर्ष रोकने का सुनहरा मौका, खून-खराबा रोकना जरूरी', यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से वार्ता के बीच बोले ट्रंप

नई दिल्ली। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष में स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। इसी बीच फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से जारी शांति वार्ताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा संकेत दिया है। ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने की अच्छी संभावना बन रही है। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हालिया बातचीत सकारात्मक रही। ऐसे में इस युद्ध को खत्म करने के लिए यह एक अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि अब खून-खराबा रोकना बहुत जरूरी हो गया है। टंप ने कहा कि बातचीत अच्छी चल रही है। हम चाहते हैं कि और लोग न मारे जाएं। यह मामला सीधे हमारे देश से जुड़ा नहीं, लेकिन अगर हम कई लोगों की जान बचा सकते हैं तो यह अच्छा होगा। उन्होंने दावा किया कि पिछले महीने युद्ध में 27,000 लोग मारे गए, और यह कभी शुरू ही नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने इस बात पर भी जोर दिया कि यूक्रेन में भ्रष्टाचार की समस्या भी है, लेकिन फिर भी समझौते की संभावना मजबूत है। बता दें कि यूक्रेन की तरफ से यह बातचीत राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुसतेम उमेरोव की अगुवाई में हो रही है। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। यह बैठक उस समय हुई जब ज़ेलेंस्की के एक करीबी सहयोगी ने अपने घर पर छापे के बाद इस्तीफा दे दिया। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका उपयोगी तरीके से आगे बढ़ रहा है आने वाले दिनों में युद्ध को सम्मानजनक तरीके से खत्म करने के कदम तय किए जा सकते हैं।

दित्वाह से श्रीलंका में अब तक 334 लोगों की मौत, भारतीय एयरफोर्स 104 भारतीयों को रेस्क्यू कर लाई वापस

एजेंसी

कोलंबो । श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से मची तबाही में अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से बताया कि 370 लोगों की अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बीच ऑपरेशन सागरबंधु के तहत भारतीय वायु सेना श्रीलंका के आपदाग्रस्त क्षेत्रों फंसे लोगों को रेस्क्यू कर रही है। भारतीय वायुसेना ने 40 श्रीलंकाई सैनिकों और 104 भारतीयों को रेस्क्यू किया। इस तूफान से कैंडी शहर में सबसे ज्यादा तबाही मची है। कैंडी में अब तक 88 मौतें हुई हैं, जबकि 150 लोग लापता बताए गए हैं। बादुल्ला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 लोगों की मौत हुई है। डेली मिरर ने डीएमसी के हवाले से बताया कि इस आपदा से देशभर के 309,607 परिवारों के 1,118,929 लोग

प्रभावित हुए हैं। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। भारतीय रेस्क्यू टीमें बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए श्रीलंका एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, और पुलिस के साथ तालमेल बैठाकर काम कर रही हैं। वहीं फर्स्ट रिस्पांडर (जो आपदा या इमरजेंसी के समय में सबसे पहले पहुंचकर प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाते हैं) भी रेस्क्यू ऑपरेशन में अन्य टीमों के साथ कोऑर्डिनेशन कर लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं।कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने जानकारी दी है कि श्रीलंका में फंसे 104 भारतीय नागरिकों के आखिरी बैच को सोमवार को निकालकर घर वापस लाया गया। भारतीय हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी बैच घर पहुंच गया है। 104 फंसे हुए भारतीय आज सुबह करीब 6.30 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचे।' लोगों को निकालने के साथ-साथ भारत ने श्रीलंका में बचाव और राहत अभियान भी तेज कर दिए हैं। इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के एक प्रतिबंधित क्षेत्र से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड बचाव अभियान चलाया।

नेपाल एयरलाइंस का क्रू सदस्य सोने की तस्करी के मामले में दोहा पुलिस की हिरासत में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल एयरलाइंस के क्रू सदस्य संदेश तिवारी को सोने की तस्करी करने के आरोप में दोहा पुलिस ने हिरासत में लिया है। नेपाल एयरलाइंस ने सोमवार को एक बयान जारी कहा कि संदेश तिवारी को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। तिवारी के पास से आठ तोला सोना बरामद किया गया है।नेपाल एयरलाइंस की प्रवक्ता अर्चना खड़का ने बताया कि यह वाकया 29 नवंबर का है। उड़ान संख्या आरए 240 से को दोहा से काठमांडू आना था। दोहा एयरपोर्ट कस्टम की जांच में संदेश तिवारी के पास आठ तोला सोना मिला। इस वजह से विमान को करीब 35 मिनट तक रोकना पड़ा। नेपाल एयरलाइंस के दोहा स्टेशन मैनेजर कृष्ण बजगाई ने इसकी पुष्टि की है।

खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में थोड़ा सुधार, सरकार ने कहा-तारिक जब चाहें लौट सकते हैं बांग्लादेश

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत पर दुआओं और दवाओं का कुछ असर होता दिख रहा है। उनकी शारीरिक स्थिति में कुछ सुधार दिखा। वह एकाध बार अस्पताल के बिस्तर पर हिलती-डुलती नजर आईं। इस बीच अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने कहा कि लंदन में रह रहे खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान जब चाहें, तब बांग्लादेश लौट सकते हैं। प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 80 वर्षीय खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में थोड़ा सुधार हो रहा है। वह अस्पताल के बिस्तर पर थोड़ा हिल-डुल पा रही थीं और बातचीत का जवाब भी दे पा रही थीं। डॉक्टर्स और बीएनपी नेताओं से जुड़े कई सूत्रों ने यह जानकारी दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। फिर भी वह अभी भी खतरे से बाहर नहीं हैं। स्थानीय और विदेशी डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

सूत्रों ने बताया कि परिवार की चिंताओं के बावजूद खालिदा को विदेश ले जाने पर कोई फैसला नहीं लिया गया। उन्हें लंबी उड़ान से शारीरिक तनाव और पर्यावरण परिवर्तन से बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। खालिदा अभी उस खतरे को उठाने की स्थिति में नहीं पहुंची हैं। फिलहाल, डॉक्टरों की प्राथमिकता देश में उच्चतम गुणवत्ता वाला इलाज सुनिश्चित करना है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, खालिदा जिया की सेहत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस बीच, उनके जल्दी ठीक होने के लिए पूरे देश में दुआएं की जा रही हैं। उनका इलाज ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। पार्टी नेताओं और उनके मेडिकल बोर्ड के सदस्यों ने रविवार रात यह जानकारी दी। मेडिकल बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि खालिदा जिया थोड़ी बेहतर हैं। खालिदा खाने के रूप में अपनी बहू के हाथ से परोसे गए तरल पदार्थ को ले रही हैं। डॉक्टर्स ने कहा कि अगर उनकी हालत में और सुधार होता है, तो उन्हें एडवांस इलाज के लिए सिंगापुर या लंदन ले जाया जा सकता है। इससे पहले रविवार दिन में पार्टी के वरिष्ठ संयुक्त सचिव रूहुल कबीर रिज़वी ने कहा था कि बीएनपी चेयरपर्सन की सेहत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेशी मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा कि बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान जब चाहें बांग्लादेश लौट सकते हैं। सरकार एक दिन के अंदर वन-टाइम ट्रैवल पास जारी कर सकती है। तौहीद ने कहा, अगर आज वह कहते हैं कि वह लौटना चाहते हैं, तो हम कल वन-टाइम ट्रैवल पास जारी कर सकते हैं।

इमरान खान के बारे में ठोस जानकारी उपलब्ध कराए अदियाला जेल प्रशासनः अलीमा खानम

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर लगायी जा रही कई प्रकार की अटकलों के बीच उनकी बहन अलीमा खानम ने रावलपिंडी के अदियाला जेल प्रशासन से अपने भाई के स्वास्थ्य को लेकर ठोस जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है। खानम ने कहा है कि परिवार के किसी भी सदस्य को कई हफ्तों से खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गयी है। ऐसे में जेल प्रशासन को तत्काल पूरी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। पाकिस्तान टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक अलीमा खानम ने एक विशेष साक्षात्कार में बताया कि उनकी बहन डॉ. उजमा खान 4 नवंबर को इमरान खान से मिली थीं। इसके बाद से परिवार के किसी भी सदस्य को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गयी और न ही उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई ठोस जानकारी उपलब्ध करायी गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान खान से मिलने के उनके कई बार के अनुरोध को अदियाला जेल प्रशासन ने अनसुना कर दिया।खानम के मुताबिक, डॉ. उज़मा खान ने पिछली मुलाकात में 73 वर्षीय खान को तंदुरुस्त और स्वस्थ पाया था। हालांकि, खान को लेकर चल रही बिना पुष्टि की खबरों को लेकर परिवार के सदस्य और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थक चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राना सनाउल्लाह ने उनकी मौत की खबरों को निराधार बताया था। तीन दिन पहले राना ने कहा था कि डॉक्टरों की टीम पूर्व प्रधानमंत्री खान को साप्ताहिक और दैनिक आधार पर देखती है और उनकी दवाइयां, आहार, सुविधाएं और अन्य चीजों का ध्यान रखती है। पीटीआई के संस्थापक इमरान खान अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटे थे। उसके बाद अगस्त 2023 से भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों के तहत जेल में बंद हैं। हालांकि इन आरोपों को खान और उनकी पार्टी पीटीआई राजनीति से प्रेरित बताती रही हैं। गुरुवार (27 नवंबर) को इमरान खान की मौत की खबरों के बाद उनकी बहन अलीमा खानम और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल आफरीदी उनसे मिलने जेल पहुंचे थे, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया था। इसके बाद वह दोनों और पीटीआई के कार्यकर्ता जेल के बाहर धरने पर बैठ गए थे। शुक्रवार सुबह धरना खत्म हुआ। बाद में जेल प्रशासन ने बताया कि इमरान खान एकदम ठीक हैं। जेल प्रशासन ने उनकी मौत की खबरों को खारिज किया था। अलीमा खानम ने भाई से मिलने की इजाजत नहीं दिए जाने के बाद इस्लामाबाद हाई कोर्ट में अदियाल जेल के अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना की याचिका भी दायर की है।

इंडोनेशिया में आपदा प्रभावितों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या 442 पहुंची

एजेंसी

जकार्ता । इंडोनेशिया में बाढ़ और लैंडस्लाइड ने ऐसी तबाही मचाई है कि मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी (बीएनपीबी) की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, जासुमात्रा आइलैंड के तीन प्रांतों में हाल ही में आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या बढ़कर 442 हो गई है। बीएनपीबी चीफ सुहार्यतो ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'नॉर्थ सुमात्रा में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। नॉर्थ सुमात्रा में मरने वालों की संख्या 217 हो गई है, और 209 अभी भी लापता हैं। साउथ तपनौली रीजेंसी में आज के ऑपरेशन के दौरान, कई और पीड़ित मिले। आचेह प्रांत में 96 मौतें और 75 लापता बताए गए, जबकि वेस्ट सुमात्रा में 129 मौतें और 118 लापता बताए गए। ' मानवीय विकास और सांस्कृतिक मामलों के समन्वय मंत्री प्रतीकनो के मुताबिक, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने आदेश

दिया है कि सभी राष्ट्रीय संसाधनों को मजबूत किया जाए और जितनी जल्दी हो सके इमरजेंसी रिस्पॉन्स पर फोकस किया जाए। डिजास्टर प्रिवेंशन एंड मिटिगेशन डिपार्टमेंट (आपदा निवारण और न्यूनीकरण विभाग) के अनुसार, दक्षिणी इलाके में आई बड़ी बाढ़ का असर 35.4 लाख लोगों पर पड़ा है, हालांकि कई इलाकों में पानी का स्तर कम हो गया है। सबसे ज्यादा नुकसान हाट याई शहर को पहुंचा है। इस हफ्ते की शुरुआत में तेज मॉनसून के दौरान सबसे ज्यादा बारिश हुई, जिसके बाद सरकार ने सोंगखला प्रांत में इमरजेंसी की घोषणा कर दी ताकि लोगों को निकालने और बचाव के कामों को आसान बनाया जा सके। इससे पहले सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि सुहार्यतो ने तीनों प्रांतों में तैनात बीएनपीबी यूनिट्स के साथ एक बैठक की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि जैसे ही उन इलाकों में मौसम बेहतर होने लगे, ऑपरेशन तेज कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि एजेंसी तीन जरूरी कामों को प्राथमिकता दे रही है: पहला, जो लोग अभी भी लापता हैं उनके लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना; दूसरा, बाधित कम्युनिकेशन एक्सेस को ठीक करना; और तीसरा, प्रभावित निवासियों तक राहत सामग्री की तेजी से डिलीवरी सुनिश्चित करना। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि दक्षिणी थाईलैंड में भयंकर बाढ़ से मरने वालों की संख्या भी 150 के करीब है, क्योंकि पानी का लेवल कम होने लगा है।

चक्रवाती तूफान दित्वा का नेपाल पर आंशिक प्रभाव

जेंसी

काठमांडू। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में विकसित चक्रवात 'दित्वा' का आंशिक असर नेपाल में देखा जाने लगा है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के प्रभाव के कारण देश के कुछ क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं और कहीं-कहीं धुंध की स्थिति दिखाई दे रही है। सोमवार सुबह कोशी, मधेश और बागमती प्रदेश में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं, जबकि अन्य प्रदेशों के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्यतया साफ रहा। तराई के कुछ स्थानों में धुंध दर्ज की गई है। दोपहर के समय कोशी, मधेश, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी प्रदेश में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। अन्य प्रदेशों में मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। रात के समय भी कोशी, मधेश और बागमती प्रदेश में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है, जबकि शेष क्षेत्रों में मौसम साफ रहने की बात कही गई है। महाशाखा ने बताया कि चक्रवात 'दित्वा' का प्रभाव अस्थायी होगा और सामान्य बादल छाए रहने के अतिरिक्त किसी प्रकार के विशेष जोखिम की आशंका नहीं है।

भ्रष्टाचार के एक और मामले में शेख हसीना को पांच, बहन रेहाना को सात जेल की सजा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने आज पूर्वांचल न्यू टाउन परियोजना राजुक के भूखंडों के आवंटन से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी को दो साल जेल, अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पांच साल जेल और उनकी बहन शेख रेहाना को सात साल जेल की सजा सुनाई। ट्यूलिप अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना की भतीजी हैं। ढाका के विशेष न्यायाधीश कोर्ट-चार के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने पूर्वाह्न 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच फैसला सुनाया। प्रोथोम अलो अखबार की वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार जेल की सजा के अलावा ट्यूलिप सिद्दीकी पर 1,00,000 टका का जुर्माना और भुगतान न करने पर छह महीने अतिरिक्त की कैद की सजा सुनाई गई। फैसले में शेख रेहाना पर

भी 1,00,000 टका का जुर्माना लगाया गया। मामले के बाकी 14 आरोपितों को पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने इन सभी के लिए 13 जनवरी को मामला दर्ज किया था। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार 78 वर्षीय हसीना तख्तापलट के बाद से भारत में हैं। अदालत ने शेख हसीना, उनकी बहन रेहना और ट्यूलिप की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। जिन अन्य लोगों को सजा सुनाई गई उनमें पूर्व मंत्री और अधिकारी शामिल हैं। वो इस प्रकार हैं-शरीफ अहमद, काजा वाशी उद्दीन, मोहम्मद ओलीउल्लाह, सैफुल इस्लाम सरकार, पूरबी गोल्डर, अनीसुर रहमान मिया, मोहम्मद खुर्शीद आलम, तन्मय दास, मोहम्मद नासिर उद्दीन, शमसुद्दीन अहमद चौधरी, नूरुल इस्लाम, नायब अली शरीफ, मजहरुल इस्लाम और मोहम्मद सलाहुद्दीन हैं। न्यायाधीश आलम ने 25 नवंबर को फैसला सुनाने के लिए एक दिसंबर की तारीख तय की थी। सनद रहे, इससे पहले ऐसे ही एक मामले में ढाका की एक अदालत ने हसीना को 21 वर्ष की कैद की सजा सुनाई थी। पिछले माह नवंबर में ही बांग्लादेश अपराध न्यायाधिकरण-1 ने छात्र विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी।

बलूचिस्तान में 24 घंटों में 7 धमाकेः विद्रोहियों ने पुलिस स्टेशन और रेलवे ट्रैक को उड़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रदेश में बीते 24 घंटों के भीतर 7 धमाके हुए हैं। संदिग्ध विद्रोहियों ने राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में पुलिस चेकपॉइंट, एंटी टेररिज्म डिपार्टमेंट की गाड़ी और पुलिस पेट्रोल पोस्ट को निशाना बनाया। इन हमलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के दो गार्ड घायल हो गए हैं। सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस आसिफ खान ने बताया कि विद्रोहियों ने क्वेटा को देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ने वाली मेन लाइन को उड़ा दिया। बदमाशों ने रेलवे ट्रैक पर आईईडी (IED) डिवाइस लगाए, और जब एक ट्रेन क्वेटा स्टेशन पहुँचने वाली थी तो उन्हें उड़ा दिया गया। धमाके से ट्रैक को नुकसान हुआ और रेलवे ट्रैफिक रोक दिया गया है, जिससे राजधानी में दहशत फैल गई

है। हमलों के तुरंत बाद किसी भी ग्रुप ने जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन रविवार सुबह बाइक सवार उग्रवादियों ने क्वेटा के मंजूर शहीद पुलिस स्टेशन पर दो हैंड ग्रेनेड फेंके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आसिफ खान ने इन सभी हमलों को एक संगठित गिरोह का काम बताया। अधिकारियों का मानना है कि ये हमले बलोच लिबरेशन आर्मी (BLA) या उसके सहयोगी गुटों का काम हो सकते हैं। सुरक्षा बलों ने प्रांत में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है और क्वेटा में धारा 144 लगा दी गई है।

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दर्शाया गया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी। महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं।

बलोचिस्तान के नोक कुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय पर बीएलएफ का हमला, संगठन की महिला सदस्य ने खुद को उड़ाया

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के चगाई जिले में रविवार देररात नोक कुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) मुख्यालय दक्षिण पर बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमला कर राज्य और संघीय सरकार की नींद उड़ा दी। इस हमले में शामिल बीएलएफ की एक महिला सदस्य ने एफसी मुख्यालय के द्वार पर खुद को उड़ाकर अपने साथियों के प्रवेश करने का रास्ता साफ किया। एफसी ने तड़के कहा कि मुख्यालय में घुसे तीनों सशस्त्र हमलावरों को मार गिराया गया। वहीं, बीएलएफ ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों के हमले में एफसी के कई अधिकारी और कर्मचारी मारे गए हैं। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एफसी के प्रवक्ता के बयान के अनुसार एक हमलावर को खुद को उड़ा लेने के बाद सुरक्षाबलों ने कम से कम तीन हमलावरों को मार गिराया गया। एफसी मुख्यालय पर हमले की यह कोशिश प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) ने की। प्रवक्ता ने कहा कि यह आत्मघाती हमला है। प्रवक्ता ने कहा कि परिसर पर तलाशी अभियान चल रहा है। परिसर के भीतर अभी तीन हमलावरों के होने के आसार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नोक कुंडी में हुए हमले के आसपास पंजगुर जिले के गुरमाकन इलाके में एक चेक पोस्ट पर भी हमला होने की खबर है। नवंबर 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ सीजफ़ायर खत्म करने के बाद पाकिस्तान में खासकर बलूचिस्तान में आतंकी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। शनिवार को भी बलोचिस्तान के क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में सात धमाके हुए। एक धमाके में प्रांतीय राजधानी के पास रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा उड़ गया और देश के दूसरे हिस्सों में रेल आवागमन रोक दिया गया। देररात एक और घटना में क्वेटा के सरियाब इलाके में एक निर्माण कंपनी के शिविर पर अज्ञात हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, नोक कुंडी में एफसी के जवानों की गोलीबारी में कई हमलावर मारे गए हैं। पंजगुर जिले के एक सिक्योरिटी चेक पोस्ट पर सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी होती रही। इससे पहले पिछले सोमवार को पेशावर में संघीय कांस्टेबुलरी हेडक्वार्टर के गेट पर एक आत्मघाती ने बम धमाका कर तीन जवान को उड़ा दिया था। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पंजगुर के मगरिब में चेक पोस्ट में कई घंटों तक झड़प हुई है। इस झड़प में पाकिस्तान की सेना को बड़ी क्षति हुई है। हथियारबंद लोगों ने चेकपोस्ट के पास स्थापित पाकिस्तान सेना के शिविर को निशाना बनाया। गौरतलब है कि पिछले एक दिन में कलात, क्वेटा, केच, चगाई और पंजगुर सहित बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में 23 से अधिक हमलों में पाकिस्तान की सेना, पुलिस, सरकारी सुविधाओं और रेलवे पटरियों को निशाना बनाया गया है, जबकि सशस्त्र व्यक्तियों ने क्वेटा और ईरानी सीमा की ओर जाने वाले मार्गों पर भी नाकेबंदी कर दी है। इसके अलावा चगाई में सशस्त्र हमलावरों ने पाकिस्तान की सेना के मुख्य शिविर पर आत्मघाती हमला की। बलोच स्वतंत्रता सशस्त्र संगठनों ने चगाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए हमलों की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है, लेकिन पंजगुर में हुए हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने स्वीकार नहीं की है। पिछले 24 घंटों में हुए कई हमलों की पुष्टि पाकिस्तान की सेना के अधिकारियों ने की है। नोक कुंडी की जिम्मेदारी लेने के बाद बीएलएफ ने अपनी जांबाज महिला सदस्य का फोटो जारी किया है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने मीडिया को भेजे संक्षिप्त बयान में कहा कि संगठन की सहायक संस्था सोब के सदस्यों ने नोक कुंडी में रेकोडक और सिंदक से संबद्ध विदेशी कर्मचारियों और इंजीनियरों के केंद्रीय परिसर पर भारी हमला किया।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/1/2025 10:29 PM Page 2

पॉलीहाउस में बेमौसमी सब्जियों की खेती

By Bhupender (Dainik Jagriti)

सब्जी उत्पादन और आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान है । यदि किसान कुछ विशेष सावधानियों को ध्यान में रखें तो इसमें बेमौसमी सब्जियों की खेती एक वरदान के रूप में सिद्ध हो सकती है । पॉलीहाउस में आमतौर पर सभी सब्जियों को उगाया जा सकता है, किन्तु सब्जियों का चयन पौधों की ऊंचाई, मौसम, सब्जी तैयार होने का समय, उत्पादन लागत एवं बाजार भाव को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

इसके लिए ज्यादातर उन सब्जियों को चुनें जो कम जगह घेरती हों और उनका बाजार भाव ज्यादा मिलता हो। पॉलीहाउस में उगाने के लिये निम्न सब्जियां उपयुक्त रहती हैं, जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा, खरबूजा, लौकी, गोभी, बैंगन, फ्रेंचबीन, करेला, चप्पनकद्दू और तरबूज आदि प्रमुख है।

ढांचे की बनावट के आधार पर पॉलीहाउस कई प्रकार के होते हैं। पॉलीहाउस बनाने के लिये बांस की खपच्ची, बांस, जी आई पाइप, आयरन एंगल, सुतली आदि का प्रयोग ढांचा बनाने के लिये किया जाता है और इसे 150 से 200 माइक्रोन मोटी पॉलीथीन से ढंका जाता है। पॉलीथीन शीट का पराबैंगनी होना जरूरी होता है। सूर्य का प्रकाश पारदर्शी पॉलीथीन से पॉलीहाउस के अन्दर पहुंचता है, किन्तु विकिरण से पुन: वायुमण्डल में प्रवेश न कर पाने के कारण वह पॉलीहाउस का तापमान बढ़ाने में सहायक होता है। किसानों के लिये कम लागत के पॉलीहाउस उपयुक्त होते हैं और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा इन पर बागवानी मिशन के तहत 50 तक प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

कम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा बांस की खपच्चियों तथा सुतली की सहायता से बनाया जाता है। इस प्रकार के पॉलीहाउस में कोई भी यंत्र वातावरण का नियंत्रण करने के लिये नहीं लगाया जाता एवं ऐसे पॉलीहाउस मैदानी क्षेत्रों के लिये सर्दी की ऋतु में प्रयोग किये जा सकते हैं।

मध्यम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा प्राय: लोहे के पाइप या जी आई पाइप द्वारा बनाया जाता है। इसमें कूलर, छाया देने वाले जाल, पानी के फव्वारे तथा गर्म हवा फेंकने वाले ब्लोअर का इस्तेमाल होता है। इस में वातावरण को अर्धनियंत्रित किया जा सकता है।

अधिक लागत के आधुनिक पॉलीहाउस- ये ग्रीन हाउस मध्यम लागत वाले पॉलीहाउस से काफी बड़े आकार के होते हैं। इसमें वातावरण का नियंत्रण आधुनिक यंत्रों द्वारा किया जाता है, जिसको कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा संचालित किया जाता है और सिंचाई ड्रिप प्रणाली द्वारा की जाती है।

पॉलीहाउस तकनीक के उपयोग

1. विपरीत मौसम यानी बेमौसमी सब्जियों की नर्सरी तैयार की जा सकती है तथा कम समय में नर्सरी तैयार होती है।

2. ये संरचनाएं सब्जियों को ठण्ड, पाला, गर्मी और हवा से बचाती हैं।

3. सब्जियों की अगेती पौध तैयार करने में सहायक जिससे अगेती फसल लेकर ज्यादा भाव में बाजार में बेचा जा सकता है।

4. अधिक मूल्य वाली सब्जियों का उत्पादन करना संभव।

5. बेमौसमी सब्जी उत्पादन-खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर का वर्ष भर उत्पादन किया जा सकता है।

6. सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में बढोतरी संभव।

7. सब्जियों की गुणवत्ता बढ़ती है।

8. कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम आसानी से की जा सकती है।

9. सब्जियों की मोनोक्रापिंग को बढ़ाना यानी साल में कई बार फसल उगा सकते है, जिससे क्रापिंग इन्टेंसिटी बढ़ती है।

पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन के लिए सब्जियों की उन्नत किस्में

टमाटर- पंत टी- 3, डी टी एच- I, अविनाश- 2, डी ए आर एल- 304, एच वाई बी- 99, के-126, एन पी- 5002 और नवीन प्रमुख है।

शिमला मिर्च- केलिफोर्निया वंडर, अलंकार, भारत इन्दिरा, गोल्डन समर, हीरा, बाम्बी, ओरोबेली, तनवी और जैमिनी आदि प्रमुख है।

खीरा- जापानीज लौंग, ग्रीन, पूसा संयोग, प्वाइनसेट, रानी, फूले पराची और कसन आदि प्रमुख है।

खरबूजा- पंजाब संकर- 1और दिल्ली आदि।

फ्रेंचबीन- पंत अनुपमा और पंतबीन-2, पूसा पार्वती कंटेण्डर आदि प्रमुख है।

करेला- पूसा दौ मौसमी और पूसा विशेष आदि प्रमुख है।

बैंगन- पूसा हाईब्रिड- 5,6 और 9, पंत संकर, हिसार और श्यामल आदि प्रमुख है।

ग्रीन हाउस या पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी का विकास तेजी से होता है। इसमें सब्जियों की विपरीत मौसम में नर्सरी तैयार करके किसान अधिक लाभ ले सकते हैं। इसमें कम लागत वाले पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन और बेलवाली सब्जियां जैसे- खीरा, लौकी, करेला, तोरई, चप्पन कद्दू एवं ककड़ी इत्यादि, की बेमौसमी अर्थात सर्दी में नर्सरी पौध तैयार करके एक दो महीने अगेती फसल ली जा सकती है, जिसके बाजार में बहुत अच्छे दाम मिलते हैं। इसके लिये बांस की खपच्ची, पोलीथीन शीट, सुतली से एक झोपड़ीनुमा ग्रीन हाउस बनाया जा सकता है और इसमें सब्जियों की पौध दिसम्बर से जनवरी में तैयार की जा सकती है।

अगेती नर्सरी (पौध) से फायदे

1. अधिक पैदावार
2. बेमौसमी उत्पादन
3. अच्छी गुणवत्ता
4. कम पानी की आवश्यकता
5. कम खरपतवार व आसान नियंत्रण
6. स्वस्थ व समय पर पौध उत्पादन
I. विपरीत परिस्थितियों से बचाव
8. कीट व रोग नियंत्रण आसान।

इन बातों का रखें ध्यान

1. केवल उन्नत और संकर किस्में ही उगाएँ।

2. सही सब्जी की फसल और सही किस्म का चयन।

3. सब्जी की बिजाई से पहले पॉलीहाउस में गोबर की खाद डालकर अच्छी तरह मिला दें तथा जमीन को पांच प्रतिशत फोरमेलिन से उपचारित करें।

4. शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा आदि ज्यादा लाभदायक फसलें होती हैं।

पौध को प्रोपेगेशन ट्रे में तैयार करें

सब्जियों की पौध के लिये प्रोपेगेशन ट्रे जिसे प्रो ट्रे भी कहते हैं, का इस्तेमाल करें जो आमतौर पर 98 छेदों वाली होती है, इसमें कोकोपीट + परलेट + वर्मीकुलेट का 4:1:1 का मिश्रण लेकर ट्रे तैयार कर लें तथा बीज की बिजाई कर दें।

पॉलीहाउस के फायदे

1. प्रत्येक बीज का बिना क्षति के अंकुरण।

2. जड़ों का पूरा विकास एवं निकालने एवं रोपाई में सुविधाजनक।

3. पौधों का विकास एक समान और स्वस्थ पौधों का तैयार होना

4. कम समय में पौध का तैयार होना।

5. पौध की बीमारियां कम।

6. कीट नियंत्रण सरलता से किया जा सकता है।

7. रोपाई उपरान्त कम मृत्युदर और पौधों का विकास जल्दी होना।

8. पॉलीहाउस को बागवानी के व्यावसायीकरण ने किसानों की एक खास जरूरत बना दिया है, जिसमें बेमौसमी सब्जियां उगाकर आमदनी को कई गुणा बढ़ाया जा सकता है।

9. परम्परागत कृषि विधियों की अपेक्षा पॉलीहाउस में सब्जियों को उगाने से खुले वातावरण की तुलना में दो से चार गुणा तक अधिक पैदावार ली जा सकती है।

10. वर्ष भर सब्जी उत्पादन करना, साथ ही उत्पादन की मात्रा, गुणवत्ता तथा उत्पादकता में भी काफी बढ़ोतरी प्राप्त की जा सकती है।

11. पॉलीहाउस में पर-परागण वाली सब्जियों के बीजों को सरलता से तैयार किया जा सकता है, इस प्रकार तैयार किए गए बीजों में वंश शुद्धता बनाये रखी जा सकती है और यह बीज उच्च गुणवत्ता के होते हैं। पॉलीहाउस के अन्दर उगाई जाने वाली सब्जियों में वे सभी सस्य क्रियायें करनी पडती हैं, जिन्हें खुले खेत में करते हैं। गोबर की खाद का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिये। बीच-बीच में मिट्टी का निर्जीवीकरण करना आवश्यक होता है। जिसके लिये फार्मेलडिहाइड और अन्य रसायन या प्लास्टिक शीट बिछाकर सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है

गर्म मैदानी इलाकों में सर्दियों के मौसम में लगाएं ये सब्जियां

इन दिनों सर्दी के मौसम में किसान भाई कई ऐसी सब्जियों की फसलें उगा सकते हैं जो कम समय में ही अच्छा मुनाफा दे सकती हैं। वहीं इन सब्जियों की फसलों की अधिक पैदावार भी होती है। साथ ही समय से पहले फसल तैयार होने के कारण बाजार भाव अच्छे मिलते हैं।

यहां बता दें कि कृषि वैज्ञानिकों ने कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुआई दिसंबर से जनवरी के मध्य करने की सलाह किसानों को दी है।

वहीं बैंगन और शलजम की भी कई ऐसी फसलें हैं जो भी अधिक ठंड के सीजन यानि इन दिनों लगाई जा सकती हैं। यहां जानते हैं सर्दी में की जाने वाली इन खास सब्जियों की खेती की संपूर्ण जानकारी।

कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती साल में दो बार की जा सकती है। इनकी बुआई का परंपरागत समय अभी तक फरवरी-मार्च और जून से जुलाई के बीच का रहता है लेकिन अब वैज्ञानिकों के अनुसार अत्यधिक ठंडे मौसम में यानि दिसंबर से जनवरी के मध्य कद्दूवर्गीय सब्जियां उगाई जा सकती हैं।

इन सब्जियों के लिए खेत तैयार करने से लेकर इनकी बिजाई एवं देखभाल आदि की जानकारी होना किसानों के लिए लाभदायक हो सकता है।

जहां तक हो सके सर्दी की इन फसलों को मौसम की मार से बचाने के लिए पॉलिहाउस में ही बोया जाना चाहिए।

खेत तैयार करने के लिए अच्छी गुड़ाई करें, या कल्टीवेटर से खेत की दो या तीन बार जुताई करें।

इसके बाद कंपोस्ट खाद मिला दें। अब पॉलिटनल के अंदर पानी की नाली एक फीट चौड़ी और एक फीट गहरी बनाएं।

दोनों सिरों की लंबाई के समानांतर लौकी, कद्दू, तोरई, भिंडी आदि की फसल बोई जा सकती है।

कद्दूवर्गीय सब्जियों की बिजाई के लिए बीज की मात्रा 4 से 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें और पौधे से पौधे की दूरी कम से कम 60 सेमी रखी जाए।

लौकी की फसल

जैसा कि किसान भाई जानते हैं कि कद्दू वर्ग की सब्जियों में लौकी प्रमुख फसल है। इसकी मांग साल भर बाजार में रहती है।

सर्दी में बोई जाने वाली लौकी की फसल के लिए किसान खेत में प्रति हैक्टेयर के हिसाब से करीब 15 टन गोबर का खाद, 50 किग्रा. नत्रजन, 25 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटाश डालें।

इसके बाद बीजों की बुआई करें। लगभग एक महीने बाद जब लौकी की बेल में फूल आने लगें तो नत्रजन की दो तिहाई मात्रा डाल दें।

वहीं जड़ो पर मिट्टी चढ़ाना नहीं भूलें। पौधों को आक्सीजन मिलती रहे ऐसा प्रबंध करें।

कद्दूवर्गीय फसलों की बेल विस्तार के लिए आधार निर्माण फ्रेम

लौकी सहित अन्य कद्दूवर्गीय फसलों की बेल विस्तार चाहती हैं। इनके लिए आधार निर्माण फ्रेम की जरूरत होती है।

इसके लिए लोहे का पतला तार या बांस की बारीक डंडिया काम ली जा सकती हैं।

ढांपने के लिए 100 गज मोटाई की पालिथीन की शीट का उपयोग करें।

इस तरह से आधार बनने से लौकी या अन्य कद्दूवर्गीय फसलों की बेलें आसानी से फैलेंगी और इनमें उपज भी अच्छी होगी।

दिसंबर से जनवरी के महीने में उगा लें सब्जियों की ये फसलें

यहां बता दें कि दिसंबर से जनवरी के महीने में कई सब्जियों की फसलें उगाई जा सकती है जो गर्मी आने से पहले ही बाजार में आ जाती

डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई करेगी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,01 दिसंबर। देशभर में तेजी से बढ़ते डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई करेगी। यह जांच अन्य किसी स्कैम से अलग और प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सीबीआई को मामलों की विस्तृत जांच का निर्देश दिया। साथ ही एजेंसी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए) के तहत बैंकरों की भूमिका की जांच करने की पूरी आजादी भी दी है, खासकर उन मामलों में जहां डिजिटल अरेस्ट स्कैम को अंजाम देने के लिए बैंक अकाउंट खोले गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर स्वत: संज्ञान लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी पक्षकार बनाया है। कोर्ट ने आरबीआई से पूछा कि देश में ऐसे बैंक खातों की पहचान कर अपराध की कमाई को फ्रीज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग कब लागू की जाएगी। बेंच ने कहा कि यह तकनीक लाखों लोगों को ठगने वाले डिजिटल अरेस्ट गिरोहों पर रोक लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है। कोर्ट ने साफ कहा कि आईटी इंटरमीडियरी रूल्स 2021 के तहत सभी अथॉरिटीज सीबीआई को पूरा सहयोग देंगी। जिन राज्यों ने अभी तक सीबीआई को मंजूरी नहीं दी है, उन्हें भी आईटी एक्ट 2021 से जुड़े मामलों की जांच के लिए अनुमति देने का निर्देश दिया गया है ताकि सीबीआई पूरे देश में बड़े स्तर पर कार्रवाई कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सीबीआई इंटरपोल की मदद भी ले सकती है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फर्जी या एक ही पहचान पर कई सिम कार्ड जारी करने के मामलों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम विभाग को निर्देश दिया है कि वह एक विस्तृत प्रस्ताव दाखिल करे। इसका उद्देश्य टेलीकॉम कंपनियों को सख्त दिशानिर्देश जारी करना है ताकि सिम कार्ड का दुरुपयोग रोका जा सके और अपराधियों पर लगाम कसी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राज्य सरकारें तुरंत साइबर क्राइम सेंटर स्थापित करें। अगर किसी राज्य को इस प्रक्रिया में कोई दिक्कत आती है तो वह सीधे सुप्रीम कोर्ट को सूचित करे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि आईटी नियमों के तहत, राज्यों की पुलिस साइबर अपराध मामलों में जब्त किए गए सभी मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस का डाटा सुरक्षित रूप से संरक्षित करे।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि आईटी एक्ट 2021 के तहत दर्ज हर एफआईआर को सीबीआई को सौंप दिया जाए ताकि एक केंद्रीकृत और मजबूत जांच हो सके। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोर्ट द्वारा संज्ञान लेने के बाद बड़ी संख्या में पीड़ित सामने आए, जिनमें से अधिकतर सीनियर सिटिजन्स हैं। उन्हें विभिन्न तरीकों से धमकाकर, डराकर और ऑनलाइन गिरफ्तार दिखाकर ठगा गया।

कश्मीर के 262 सेना कैडेट उधमपुर स्थित जेकेएलआईआर केंद्र से पास आउट हुए

जम्मू सोमवार,01 दिसंबर। जम्मूकश्मीर के 250 से ज्यादा सैन्यकर्मियों को सोमवार को औपचारिक रूप से जम्मूकश्मीर लाइट इन्फैंट्री (जेकेएलआई) रेजिमेंट में शामिल किया गया। कुपवाड़ा, बारामूला, बडगाम और श्रीनगर जैसे कश्मीर के ज़िलों के 262 युवा कैडेटों ने सैनिक के रूप में शपथ ली और राष्ट्र की रक्षा का संकल्प लिया। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पी. के. मिश्रा ने धनसाल स्थित जेएकेएलआई रेजिमेंटल प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित पासिंग-आउट परेड का निरीक्षण किया।

सैनिकों के परिवारों को उनके सहयोग के सम्मान में गौरव पदक से सम्मानित किया गया, क्योंकि उन्होंने अपने बेटों को रंगरूटों से राष्ट्र के समर्पित संरक्षक बनते देखा। समारोह को संबोधित करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने कहा कि रंगरूट न केवल वर्दी की, बल्कि भारत के मूल स्वरूप की भी सेवा करेंगे।

उन्होंने उन्हें बधाई दी और इस आयोजन को भारत की संप्रभुता की रक्षा के उनके संकल्प की एक सशक्त पुष्टि बताया। अंतिम सलामी दी गई और तिरंगा फहराया गया, नए सैनिकों ने वर्दी में, मज़बूत राइफलों और मज़बूत हौसलों के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत की।

ठंडी हवा के बीच और त्रिकुटा पहाड़ियों की पवित्र ऊंचाइयों के नीचे, जम्मू और कश्मीर के 262 वीर सपूतों ने जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर, दंसाल में अपनी विरासत को वीरता के इतिहास में अंकित किया।

परेड ग्राउंड में मार्शल संगीत की गूंज के साथ, रंगरूटों ने अनुशासन और गर्व के साथ मार्च किया, जो उनके प्रशिक्षण और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जम्मू डिवीजन ने नवंबर में टिकट जाँच अभियान के तहत ₹57 लाख वसूले

जम्मू ,01 दिसंबर। उत्तर रेलवे के जम्मू डिवीजन ने अपने सघन टिकट जाँच अभियान से उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया है और नवंबर 2025 के दौरान लगभग ₹57 लाख का जुर्माना वसूला है। मंडल रेल प्रबंधक विवेक कुमार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) उचित सिंघल के पर्यवेक्षण में, जम्मू, कटरा, पठानकोट कैंट, पठानकोट सिटी और श्रीनगर सहित प्रमुख स्टेशनों पर विशेष अभियान चलाए गए।

इस पहल का उद्देश्य बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाना और वास्तविक यात्रियों के लिए सुगम और अधिक आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करना है। एक महीने तक चले इस अभियान के दौरान, टिकट जाँच दलों और मुख्य टिकट निरीक्षकों ने बिना उचित टिकट यात्रा कर रहे 9,346 यात्रियों को पकड़ा।

रेलवे अधिकारियों ने स्टेशनों और ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए औचक निरीक्षण भी किए।

टिकट संबंधी जाँच के अलावा, मंडल ने स्वच्छता प्रवर्तन प्रयासों को भी तेज़ कर दिया। स्टेशन परिसर में कूड़ा फैलाने वाले 53 यात्रियों से लगभग ₹17,000 का जुर्माना वसूला गया। सीनियर डीसीएम उचित सिंघल ने बताया कि बिना टिकट यात्रा को कम करने और राजस्व बढ़ाने के लिए डिवीजन इन अभियानों को जारी रखेगा। उन्होंने आगे कहा, इसका उद्देश्य यात्रियों को सुविधा और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करते हुए टिकटिंग प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

जम्मू डिवीजन की निरंतर कार्रवाई उत्तर रेलवे द्वारा सेवा वितरण में सुधार लाने तथा अपने नेटवर्क में अनुशासन बनाए रखने के व्यापक प्रयास को दर्शाती है।